हिन्दी सांध्य दैनिक

प्रखर पूर्वांचल

अखबार नहीं आंदोलन

RNI:UPHIN/2016/68754 www.prakharpurvanchal.com Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

गाजीपुर से प्रकाशित व वाराणसी, चंदौली, सोनभद्र, मऊ, बलिया, आजमगढ़, भदोही, मिर्जापुर, जौनपुर, लखनऊ, प्रयागराज, गोरखपुर, कुशीनगर, महाराजगंज तथा देवरिया से प्रसारित

वर्षः 8, अंकः 204, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00, आमंत्रण मूल्य 2.00 | 25 जनवरी, 2024 दिन गुरुवार | गाजीपुर/वाराणसी

दुनिया में विशेष स्थान बना रहा उत्तर प्रदेश : योगी आदित्यनाथ

भारत की आध्यात्मिक व सांस्कृतिक विरासत का केंद्र बिंदु बन रहा यूपी

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश का स्थापना दिवस 24 से 26 जनवरी तक पूरे प्रदेश में धूमधाम से मनाया जा रहा है। बुधवार को लखनऊ में समारोह का शुभारंभ करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि उत्तर प्रदेश आज भारत की आध्यात्मिक और सांस्कृतिक विरासत का केंद्रबिंदु बन रहा है। प्रदेश दुनिया में विशेष स्थान बना रहा है। उन्होंने कहा कि 1937 से 1950 तक उत्तर प्रदेश को संयुक्त प्रांत के नाम से जाना जाता था। 24 जनवरी 1950 को उत्तर प्रदेश के रूप में नोटिफिकेशन जारी हुआ। इसके बाद भी प्रदेश को प्रश्नवाचक के रूप में देखा जाता रहा। प्रदेश में सारी खूबियां होने के

बावजूद पहचान का संकट था। पूर्व राज्यपाल रामनाईक ने कहा था कि हर राज्य का स्थापना दिवस होता है। यूपी का भी मनाया जाना चाहिए। 24 जनवरी 2018 को प्रदेश का पहला स्थापना दिवस मनाया गया। आज हम सातवां स्थापना दिवस मना रहे हैं। यह विशेष है क्योंकि भगवान राम 500 साल बाद अपनी नगरी में विराजमान हुए हैं। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि प्रदेश का स्थापना दिवस प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन को आगे बढ़ाने का माध्यम बन गया है। यूपी दिवस के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सभी को बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि अध्यात्म, ज्ञान और शिक्षा की तपोभूमि उत्तर प्रदेश के अपने सभी परिवारजनों को राज्य के स्थापना दिवस की अनेकानेक शुभकामनाएं। बीते सात वर्षों में प्रदेश ने प्रगति की एक नई गाथा लिखी है, जिसमें राज्य सरकार के साथ जनता-जनार्दन ने भी बढ़-चढ़कर भागीदारी की है। मुझे विश्वास है कि विकसित भारत की संकल्प यात्रा में उत्तर प्रदेश अग्रणी भूमिका निभाएगा।

अयोध्याः 200-200 के जत्थे में श्रद्धालुओं को कराए जा रहे दर्शन

अयोध्या (एजेंसी)। अयोध्या में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के दूसरे दिन बुधवार को भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु रामलला के दर्शन के लिए पहुंचे हैं। प्राण प्रतिष्ठा के बाद पहले दिन मंगलवार को रामलला के दर्शन के लिए श्रद्धालुओं का सैलाब देखने को मिला। इस दौरान पूरी व्यवस्था चरमराती नजर आई जिसके बाद खुद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को भीड़ मैनेजमेंट के लिए उतरना पड़ा। आज बुधवार को भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंचे हैं। हालांकि आज प्रशासन पूरी तरह से मुस्तैद नजर आ रहा है। सिर्फ 200-200 के जत्थे में श्रद्धालुओं को दर्शन के लिए भेजा जा रहा है। इतना ही नहीं राम जन्मभूमि पथ पर जाने वाले सभी अन्य मार्गों को पूर्ण रूप से बंद कर दिया गया है। बैरियर गिराकर सुरक्षा बलों की तैनाती कर दी गई है। राम भक्त केवल राम जन्मभूमि पथ के मुख्य द्वार से ही प्रवेश कर पा रहे हैं। बैरियर पर तैनात सुरक्षा बलों को स्पष्ट निर्देश दिया गया है कि किसी को भी अन्य मार्ग से प्रवेश नहीं दिया जाएगा। अमावां मंदिर हनुमानगढ़ी से आने वाले मार्गों पर पूर्ण रूप से बेरिकेडिंग किया गया है। गौरतलब है कि मंगलवार को 4 लाख राम भक्तों ने रामलला का दर्शन किया था। रामलला के भक्तों का जनसैलाब को देखते हुए आज नए सिरे से रूपरेखा बनाई गई है। जन्मभूमि जाने वाले रामकोट के सभी बैरियर बंद किए गए हैं। स्थानीय लोगों को आधार कार्ड देखकर प्रवेश नहीं दिया जा रहा है।

रामलला के दर्शन के लिए उमड़ी भारी भीड़ के बाद यूपी सरकार ने की अपील, आने से पहले सूचना दे दीजिए

अयोध्या (एजेंसी)। अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा के बाद बुधवार को दूसरे दिन भी रामलला के दर्शन के लिए भक्तों का भारी हुजूम देखा जा रहा है। लाखों श्रद्धालु दर्शन करने के लिए पहुंच रहे हैं। हालांकि मंगलवार की तरह बुधवार को अव्यवस्थाओं का आलम नहीं दिखा। श्रद्धालु लंबी लाइनें में लगकर रामलला के दर्शन कर रहे हैं। दर्शन अनवरत चल रहे हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी खुद पल-पल की अपडेट ले रहे हैं। एडीजी लॉ एंड ऑर्डर प्रशांत कुमार और प्रमुख सचिव (गृह) संजय प्रसाद राम मंदिर में खुद व्यवस्थाओं का जिम्मा संभाले हुए हैं। इस बीच, सरकार ने देश-प्रदेश के अति विशिष्ट, विशिष्ट और गणमान्यजनों से अयोध्या आने से एक सप्ताह पहले प्रशासन को जानकारी देने की अपील की है। जारी किए गए आदेश में कहा गया कि अति विशिष्ट, विशिष्ट और गणमान्य जन अयोध्या आने से एक सप्ताह पहले स्थानीय प्रशासन, श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट और राज्य सरकार को सूचित करें। उत्तर प्रदेश के डीजी लॉ एंड ऑर्डर प्रशांत कुमार ने बताया कि हमने यह सुनिश्चित किया कि यहां बेहतर भीड़ नियंत्रण और यातायात प्रबंधन किया जाए। हमें शासन का निर्देश था कि भक्तों को किसी भी तरह कोई असुविधा न हो। जो भी प्रबंध रात भर में अंतर्विभागीय समन्वय से हमने किया था उसके अच्छे और सुखद परिणाम देखने को मिल रहे हैं।

'राहुल की सुरक्षा पर खतरा..': असम में भारत जोड़ो न्याय यात्रा को लेकर खरगे की अमित शाह को चिट्ठी

नई दिल्ली (एजेंसी)। असम में राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा के दौरान हुई झड़पों को लेकर कांग्रेस ने राज्य की मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा की सरकार पर जुबानी हमले जारी रखे हैं। इसे लेकर अब कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को चिट्ठी लिखी है। खरगे ने शाह से राहुल गांधी की सुरक्षा के बार-बार खतरे में पड़ने की बात कही है। उन्होंने इसे लेकर असम पुलिस पर भी आरोप लगाए हैं। कांग्रेस अध्यक्ष ने अपनी चिट्ठी में कहा कि मणिपुर से मुंबई के लिए 14 जनवरी को शुरू हुई भारत जोड़ो यात्रा के असम पहुंचने के बाद कुछ ऐसे मौके आए जब असम पुलिस जेड प्लस सिक्योरिटी पाए हुए राहुल गांधी की सुरक्षा में आना चाह रही थी। खरगे ने आरोप लगाया कि अरुणाचल प्रदेश से जब कांग्रेस की यात्रा वापस असम के सोनितपुर जिले में आई तब, वहां के स्थानीय सुपरिटेंडेंट, जो कि सीएम सरमा के भाई भी हैं, ने भाजपा कार्यकताओं के कांग्रेस की यात्रा पर हुए हमले को किसी दर्शक की तरह देखा। खरगे ने कहा कि इस दौरान भाजपा कार्यकताओं ने कांग्रेस की सोशल मीडिया टीम के साथ पार्टी के महासचिव जयराम रमेश के साथ झड़प की और उनकी कार पर भी हमला कर दिया। इन लोगों ने भारत जोड़ो न्याय यात्रा के खिलाफ नारेबाजी की और वाहनों पर लगे यात्रा के पोस्टर तक फाड़ दिए। खरगे ने कहा कि 22 जनवरी को नगांव जिले में भाजपा कार्यकताओं ने राहुल गांधी के बेड़े को रोक लिया, जिससे उनकी सुरक्षा के लिए एक बेहद खतरनाक स्थिति पैदा हो गई थी। इन सब चौंकाने वाली घटनाओं के बीच जब-जब भाजपा कार्यकर्ता राहुल गांधी के करीब आए, तब-तब असम पुलिस दर्शक बनी खड़ी रही, जिससे कुछ शरारती तत्व लगातार राहुल के सुरक्षा घेरे को तोड़ने की कोशिश करते रहे। खरगे ने अमित शाह से मांग की कि वह इस मामले में हस्तक्षेप करें और यह सुनिश्चित करें कि यात्रा तैयारी के तहत आगे बढ़े। उन्होंने कहा कि मामले में केंद्रीय गृह मंत्री का दखल जरूरी है, ताकि यात्रा के साथ ऐसी कोई अनहोनी न हो जाए, जिससे राहुल गांधी या भारत जोड़ो न्याय यात्रा में शामिल कोई कांग्रेस कार्यकर्ता चोटिल हो।

भारत रत्न के एलान पर नीतीश बोले- हम लगातार मांग कर रहे थे, आखिर उन्होंने फैसला लिया...

समस्तीपुर (एजेंसी)। जन नायक कपूर्री ठाकुर की जन्म शताब्दी समारोह के मौके पर बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा कि कपूर्री ठाकुर जी को भारत रत्न का सम्मान बहुत पहले मिल जाना चाहिए था। इसके लिए लंबे समय से जदयू और सोशलिस्ट विचारधारा के दल इसकी मांग कर रहे थे। उनके पदचिह्नों पर सब को चलना चाहिए। हेलिपैड पर पत्रकारों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि भारत रत्न उनके त्याग का सम्मान है। वहीं, इस कार्यक्रम में उप-मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव नहीं आए। हालांकि उनके आने का पूर्व से कोई निर्धारित कार्यक्रम नहीं था। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा कि हम लगातार कपूर्री जी को भारत रत्न दिए जाने की मांग कर रहे थे। आखिरकार उन्होंने कल रात फैसला लिया। इसलिए, मैं उन्हें (सरकार को) धन्यवाद देना चाहता हूं, यह एक खुशी की बात है। उन्होंने कहा कि कपूर्री जी ने गरीबों के लिए, पिछड़ों के लिए बहुत काम किया। उन्होंने समाज के हर वर्ग के उत्थान के लिए काम किया। उन्होंने शिक्षा और हर क्षेत्र में काम किया। इससे पूर्व सीएम ने कपूर्री ठाकुर के पैत्रक गांव पितोजिया कपूर्री ग्राम में सर्व धर्म प्रार्थना सभा में भाग लिया। इस मौके पर सभी धर्म के अनुयायियों ने सभा की। जन्म शताब्दी से एक दिन पूर्व भारत रत्न की घोषणा किए जाने के बाद बुधवार सुबह से ही कपूर्री ठाकुर के गांव कपूर्री ग्राम में लोगों के आने का सिलसिला शुरू हो गया था। लोग एक-दूसरे को बधाई भी दे रहे थे। लोगों ने बताया कि अभी जो स्मृति भवन बनाया गया है, वह वही स्थल है जहां कपूर्री ठाकुर की झोपड़ी थी। उन्होंने अपने जीवन काल में झोपड़ी में ही समय गुजरा। उसके बाद उनके बेटे राज्यसभा सांसद रामनाथ ठाकुर ने झोपड़ी को स्मृति भवन के रूप में विकसित किया है। सर्व धर्म प्रार्थना सभा के दौरान राजद के विधायक अख्तरुल इस्लाम, सीपीआईएम के विधायक अजय कुमार, पूर्व विधायक अशोक सिंह और पूर्व मंत्री रामाश्रय साहनी समेत विभिन्न दलों के नेता मौजूद रहे।

रूस के बेलगोरोद में सैन्य विमान दुर्घटनाग्रस्त, 65 यूक्रेनी युद्धबंदी समेत 74 लोग थे सवार

रायटर्स (एजेंसी)। रूस के बेलगोरोद में बुधवार को एक सैन्य परिवहन विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। रूसी सरकारी मीडिया ने रक्षा मंत्रालय के हवाले से कहा कि विमान में 65 यूक्रेनी युद्धबंदी सवार थे, जिसकी अदला-बदली होनी थी। रक्षा मंत्रालय के हवाले से बताया गया कि विमान में चालक दल के छह सदस्यों और तीन गार्डों सहित 74 लोग मौजूद थे, दुर्घटनाग्रस्त हो गया है। विमान दुर्घटना के पीछे का कारण के बारे में तत्काल कोई जानकारी नहीं दी गई है। रूसी सांसद और सेवानिवृत्त जनरल आंद्रेई कार्तपोलोव ने संसदीय सत्र के दौरान कहा कि विमान को तीन मिसाइलों से मार गिराया गया है। हालांकि, उन्होंने यह नहीं बताया कि इसकी पुष्टि किस स्रोत से की गई है। वहीं, एक समाचार एजेंसी ने फिलहाल इस बात की पुष्टि नहीं की है कि विमान में कौन-कौन सवार थे, लेकिन रूस और यूक्रेन के बीच नियमित रूप से युद्धबंदियों की अदला-बदली होती रहती है। बता दें कि रूसी सुरक्षा सेवाओं से जुड़े एक टेलीग्राम चैनल पर एक वीडियो में देखा जा सकता है कि एक विमान दुर्घटनाग्रस्त

हुआ है और उससे आग की लपटें उठ रही हैं। रूसी सैन्य आईएल-76 एक सैन्य परिवहन विमान है, जिसे सैनिकों, कार्गो, सैन्य उपकरणों और हथियारों को ले जाने के लिए उपयोग करते हैं। इस विमान में आमतौर पर पांच लोगों का दल होता है और यह 90 यात्रियों तक को ले जा सकता है। बेलगोरोद के गवर्नर व्याचेस्लाव ग्लैडकोव ने बताया कि शहर के उत्तर-पूर्व क्षेत्र के कोरोचांस्की में विमान दुर्घटनाग्रस्त हुआ है। गवर्नर ने बताया कि विमान दुर्घटना की जानकारी मिली है और हम घटनास्थल का निरीक्षण करने जा रहे हैं। बता दें कि ये जगह यूक्रेन की सीमा से सटा हुआ है और सीमावर्ती क्षेत्र में पिछले कुछ महीनों में यूक्रेन की ओर से लगातार हमले हुए हैं। इन हमलों में 25 लोगों की मौत हुई है। यूक्रेन ने इन क्षेत्रों में लगातार मिसाइल हमले किए हैं।

ज्ञानवापी मामले में जिला जज का बड़ा आदेश दोनों पक्षों को दी जाएगी सर्वे की हार्ड कॉपी

प्रखर वाराणसी। ज्ञानवापी परिसर की सीलबंद सर्वे रिपोर्ट को लेकर जिला जज डॉ. अजय कृष्ण विश्वेश की अदालत ने बुधवार को फैसला सुनाया। जिला जज ने वादी पक्ष को सर्वे रिपोर्ट दिए जाने का आदेश दिया है। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) ने पहले ही रिपोर्ट अदालत में दाखिल की थी। मामले में लशाम तक आदेश आएगा, फिर नकल के लिए पक्षकार कोर्ट में आवेदन देंगे। रिपोर्ट ई मेल से नहीं मिलेगी। एएसआई ने मेल करने पर आपत्ति की थी। उधर, अंजुमन ने सार्वजनिक करने पर आपत्ति की थी, जबकि चार महिला वादियों के अधिवक्ता विष्णुशंकर जैन ने कहा था कि यह सार्वजनिक होनी चाहिए। मां शृंगार गौरी केस की वादिनी सीता साहू, रेखा पाठक, मंजू व्यास और लक्ष्मी देवी की तरफ से सर्वे रिपोर्ट की प्रति दिए जाने का अनुरोध अदालत से किया गया था। वादिनी महिलाओं का कहना था कि यह जनहित का मुद्दा है। इसे गोपनीय बनाकर हौव्वा बनाया जा रहा है। हिंदू पक्ष की ही एक अन्य वादिनी राखी सिंह का कहना था कि अदालत में दाखिल रिपोर्ट के अध्ययन का अधिकार वादी पक्ष को है। वहीं, अंजुमन इंतेजामिया मसाजिद

कमेटी का कहना है कि यदि सर्वे रिपोर्ट वादिनी महिलाओं को दी जाती है तो उन्हें भी उपलब्ध कराई जाए। उधर, एएसआई का कहना है कि जब तक प्राचीन मूर्ति स्वयंभू ज्योतिर्लिंग लॉर्ड विश्वेश्वरनाथ के मुकदमे में ज्ञानवापी सर्वे की रिपोर्ट की प्रति वह दाखिल न कर दे, तब तक उसे सार्वजनिक न किया जाए।

इंडिया गठबंधन को झटका : पंजाब में सभी 13 सीटों पर अकेले चुनाव लड़ेगी आप, सीएम भगवंत मान का बड़ा एलान

चंडीगढ़ (एजेंसी)। पंजाब में इंडिया गठबंधन को झटका लगा है। सीएम भगवंत मान ने कांग्रेस से गठबंधन की अटकलों को दरकिनार कर पंजाब में सभी 13 सीटों पर अकेले चुनाव लड़ने की बात कही है। कांग्रेस और आप के बीच राष्ट्रीय स्तर पर गठबंधन हो चुका है। इसके अलावा गुजरात और दिल्ली में भी सीटों पर सहमति बन गई है। पंजाब में आप की बड़े बहुमत वाली सरकार है। ऐसे में यहां लोकसभा चुनाव मिलकर लड़ने पर सहमति नहीं बन रही। ऐसे में पंजाब आप ने भी प्रदेश की सभी लोकसभा सीटों पर अकेले चुनाव लड़ने की तैयारी शुरू कर दी है। कुछ दिन पहले ही मुख्यमंत्री भगवंत मान ने सभी 13 सीटों पर चुनाव लड़ने का बयान दिया था। ये बयान उस समय सामने आया था जब दिल्ली में कांग्रेस और आप आलाकमान के बीच पंजाब को लेकर सहमति नहीं बन सकी थी। वहीं पंजाब कांग्रेस भी आप के

साथ गठबंधन को लेकर सहज नहीं है। पार्टी ने चंडीगढ़ स्थित पंजाब कांग्रेस भवन में वार रूम और राज्यस्तरीय कमेटी का गठन कर दिया है, जो राज्यभर में बूथ लेवल तक के नेताओं से सीधे तालमेल बनाकर हलकावार चुनाव रणनीति तैयार करेगी। इससे पहले प्रदेश कांग्रेस ने 13 हलकों में लोकसभा को-ऑर्डिनेटरों की तैनाती कर दी थी, जिन्हें लोकसभा हलका स्तर पर स्थानीय नेताओं और वर्करों के साथ समन्वय कायम करने का जिम्मा सौंपा गया है। पंजाब कांग्रेस के नवगठित वार रूम में पार्टी ने रिटायर्ड आईएफएस अधिकारी एचएस किंगरा, राजवंत राय शर्मा, यूथ कांग्रेस के महासचिव अमन स्लैच, कुलजीत सिंह बेदी और जंगप्रीत सिंह को नियुक्त किया है। वार रूम के डिजीटलाइजेशन का काम भी शुरू कर दिया गया है, जिसके तहत डाटा इंटेलिजेंस यूनिट, पॉलिटिकल इंटेलिजेंस यूनिट, ग्राउंड कैपेन टीम, फील्ड मैनेजमेंट टीम, सोशल मीडिया प्रबंधन टीमों का गठन किया जाएगा।

असम राइफल्स के जवान ने चलाई गोली, दो जवानों की मौत, पांच घायल; खुद को भी गोली से उड़ाया

इंफाल (एजेंसी)। हिंसाग्रस्त मणिपुर में ड्यूटी पर तैनात 15 असम राइफल्स के जवान ने खुद को गोली मारने से पहले अपने साथियों पर अंधाधुंध गोली चलाई। इसमें दो जवानों की मौत हो गई है, जबकि पांच अन्य जवान घायल हो गए। घायलों का इलाज जारी है और सभी की हालत स्थिर बताई गई है। घटना मणिपुर के चंदेल जिले में मंगलवार देर रात साजिक तम्पाक इलाके में हुई। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। हालांकि, असम राइफल्स ने दो जवानों की मौत की पुष्टि अभी तक नहीं की है। जबकि मणिपुर पुलिस ने कहा है कि इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना को चल रहे जातीय संघर्ष से नहीं जोड़ा जाना चाहिए। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक मंगलवार और बुधवार की मध्यरात्रि को, मणिपुर के चंदेल जिले के साजिक तम्पाक स्थित रानाटॉप पोस्ट पर तैनात 15 असम राइफल्स के एक जवान हवलदार सांगपी बाइट ने कई गोलियां चलाईं। सूत्रों के मुताबिक अपने सहकर्मियों को गोली मारने से पहले शिविर स्थल पर उनके बीच तीखी बहस हुई थी। बहस के दौरान अचानक उसने अपने साथियों पर अंधाधुंध फायरिंग कर दी। इसमें असम राइफल्स के पांच जवान गोली लगने से घायल हो

गए। यह भी पता चला है कि दो जवानों ने चोटों के कारण दम तोड़ दिया। हालांकि, अभी असम राइफल्स की ओर से इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, बाद में उसने खुद को भी गोली मार ली। घायल सैनिकों को हेलीकॉप्टर से आगे के उपचार के लिए मिलिट्री हॉस्पिटल ले जाया जा रहा है।

दर्शन के लिए उमड़ी भीड़ के बाद एडीजी लॉ एंड ऑर्डर ने की अपील, बोले- स्थिति देखकर करेंगे बदलाव

अयोध्या (एजेंसी)। अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा के बाद बुधवार को दूसरे दिन भी रामलला के दर्शन के लिए भक्तों का भारी हुजूम देखा जा रहा है। लाखों श्रद्धालु दर्शन करने के लिए पहुंच रहे हैं। हालांकि मंगलवार की तरह बुधवार को अव्यवस्थाओं का आलम नहीं दिखा। श्रद्धालु लंबी लाइनें में लगकर रामलला के दर्शन कर रहे हैं। दर्शन अनवरत चल रहे हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी खुद पल-पल की अपडेट ले रहे हैं। एडीजी लॉ एंड ऑर्डर प्रशांत कुमार और प्रमुख सचिव (गृह) संजय प्रसाद राम मंदिर में खुद व्यवस्थाओं का जिम्मा संभाले हुए हैं। उत्तर प्रदेश के डीजी लॉ एंड ऑर्डर प्रशांत कुमार ने बताया कि हमने यह सुनिश्चित किया कि यहां बेहतर भीड़ नियंत्रण और यातायात प्रबंधन किया जाए। हमें शासन का निर्देश था कि भक्तों को किसी भी तरह कोई असुविधा न हो। जो भी प्रबंध रात भर में अंतर्विभागीय समन्वय से हमने किया था उसके अच्छे और सुखद परिणाम

देखने को मिल रहे हैं। उन्होंने बताया कि सभी श्रद्धालुओं को कतारों में लगा दिया गया है। अनवरत दर्शन चल रहे हैं। आज मंदिर और उसके आसपास लगभग 8000 पुलिस कर्मी मौजूद हैं। सीआरपीएफ, एसएसएफ और अन्य पुलिस अधिकारी मंदिर के अंदर तैनात किए जाएंगे। स्थिति के आधार पर मंदिर के बाहर तैनाती में बदलाव किया जाएगा। अयोध्या राम मंदिर में बड़ी संख्या में श्रद्धालु आ रहे हैं, यूपी डीजी लॉ एंड ऑर्डर प्रशांत कुमार ने कहा कि हमने भीड़ नियंत्रण उपायों में सुधार किया है, और यह सुनिश्चित करने के लिए श्रद्धालुओं की लाइनें बनवाई हैं। आज, भीड़ कल की तुलना में कम है और व्यवस्थाएं अच्छी हैं। हम भक्तों से धैर्य बनाए रखने की अपील करते हैं। राम मंदिर में प्रबंधन पर उत्तर प्रदेश के मुख्य सचिव गृह संजय प्रसाद ने बताया कि मुख्यमंत्री खुद कल अयोध्या आए थे, अधिकारियों के साथ एक बैठक की गई और रणनीति बनाई गई कि मंदिर में कतारों की व्यवस्था कैसे बेहतर की जाए। इसके लिए व्यवस्था की गई है। बैरिकेडिंग की गई है और चार पंक्तियां बनाई गई हैं। भक्तों को आज किसी भी कठिनाई का सामना नहीं करना पड़ रहा है। अब कोई असुविधा नहीं हो रही।

संपादकीय

आत्मनिर्भरता का सूर्योदय

पर्यावरणीय संकट और महंगे होते ऊर्जा संसाधनों के विकल्प के रूप में स्वच्छ ऊर्जा, खासकर सौर ऊर्जा दुनिया में पहली पसंद बनी है। भारत ने भी तेजी से इस दिशा में कदम बढ़ाए हैं। इन्हीं रचनात्मक प्रयासों के चलते आज देश में सौर ऊर्जा की स्थापित क्षमता 73 गीगावॉट तक हो गई है। नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय के अनुसार दिसंबर, 2023 तक भारत में रूफटॉप सोलर क्षमता लगभग 11.08 गीगावॉट है। विश्व ऊर्जा की जरूरतों की निगरानी करने वाली संस्थाएं बता रही हैं कि आने वाले तीन दशक में दुनिया के अन्य देशों के मुकाबले भारत में ऊर्जा की मांग में सबसे ज्यादा वृद्धि होने वाली है। ऐसे में जरूरी हो जाता है कि हम इस चुनौती के मुकाबले के लिये ऊर्जा के नये स्रोतों को तलाशें। निस्संदेह, नवीकरणीय ऊर्जा इसका बेहतर विकल्प हो सकता है। देश में थर्मल और जल विद्युत परियोजनाएं के नफे-नुकसान को देखते हुए स्वच्छ ऊर्जा ही कारगर विकल्प बचता है। यही वजह है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अयोध्या में आयोजित प्राण प्रतिष्ठा समारोह से लौटने के तुरंत बाद प्रधानमंत्री सूर्योदय योजना की शुरूआत करने की घोषणा की। जिसका मकसद समाज के कमजोर वर्गों को बिजली के बिल से राहत दिलाने के साथ ही स्वच्छ ऊर्जा के उपयोग को बढ़ावा देना भी है। इस योजना का उद्देश्य देश को ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में कदम बढ़ाना है। इस योजना के तहत गरीबों व निम्न मध्यमवर्गीय परिवारों का बिजली का खर्च घटाने के मकसद से देश के एक करोड़ घरों पर रूफटॉप सोलर पैनल लगाने का फैसला किया है। कहा जा रहा है कि सूर्य के ताप से ऊर्जा हासिल करने के लिये लगाए जाने वाले पैनल के उपयोग से बिजली के बिल में कमी आएगी, जिससे लोगों को आर्थिक राहत मिल सकेगी। यूं भी देश में मुफ्त बिजली देना बड़ा राजनीतिक मुद्दा रहा है, जिसका नकारात्मक प्रभाव बिजली विभाग की सेहत पर भी पड़ता है। हालांकि, इस योजना के लाभार्थियों से जुड़ी विस्तृत जानकारी अभी उपलब्ध नहीं है, लेकिन इस बाबत जरूरी ब्योरा देने के लिये वेबसाइट शीघ्र जारी होगी। जिसके जरिये इच्छुक भारतीय नागरिक आवेदन कर सकेंगे। इस अभियान के तहत अधिकारियों से राष्ट्रीय स्तर पर मुहिम चलाने को कहा गया है। जिससे नागरिकों को रूफटॉफ पैनल के उपयोग के लिये प्रेरित किया जा सके। दरअसल, रूफटॉप सोलर पैनल एक फोटोवोल्टिक पैनल होता है, जिसे किसी मकान की छत पर लगाया जाता है। कालांतर सूरज से ऊर्जा पाने वाले इस पैनल को मुख्य बिजली आपूर्ति करने वाली लाइन से जोड़ दिया जाता है। जिससे यह ग्रिड के माध्यम से आने वाली विद्युत के उपयोग को घटा देता है। फलस्वरूप उपयोगकर्ता का बिजली के बिल का खर्च घट जाता है। दरअसल, रूफटॉप सोलर पैनल खासा किफायती है। इसकी लागत केवल पैनल लगाने के वक्त एक बार ही आती है। बाद में इसके संचालन में बेहद कम ही खर्च आता है। दरअसल, इसका मकसद जहां लोगों को आर्थिक राहत देना है, वहीं देश में बिजली उत्पादन को बढ़ावा देना भी है। वहीं दूसरी ओर कार्बन उत्सर्जन को कम करने के लिये देश की जो अंतर्राष्ट्रीय प्रतिबद्धताएं हैं, उनमें भी यह पहल सहायक बनती है। कहीं न कहीं सरकार का मकसद इस योजना के जरिये राजनेताओं की मुफ्त की रेवड़िया बांटने की प्रवृत्ति पर लगाम लगाना भी है। पिछले दिनों विधानसभा चुनाव में तमाम राजनीतिक दलों ने अपनी गारंटियों में मुफ्त बिजली देने का वायदा भी शामिल किया। इस मुफ्त बिजली की कीमत कालांतर देश की अर्थव्यवस्था को भी चुकानी पड़ती है। सरकार जल्दी ही इस योजना का रोडमैप जारी करने वाली है। कहा जा रहा है कि वे लोग इस योजना के लिये आवेदन कर सकेंगे, जो भारत के स्थायी नागरिक हों, उनकी वार्षिक आय डेढ़ लाख से अधिक नहीं होनी चाहिए। आवेदक सरकारी कर्मचारी न हो। उसे अपना आधार कार्ड, अधिवास प्रमाणपत्र, बिजली का बिल और आय का प्रमाणपत्र आदि की जानकारियां वेबसाइट पर अपलोड करनी होंगी। उल्लेखनीय है कि सरकार की ओर से ऐसी एक योजना 2014 में लॉन्च की जा चुकी है। विश्वास है, गरीब के घर को रोशन करने वाला यह प्रयास सार्थक साबित होगा।

ताजा अब बयान!

एकला है चलना ।
ताजा अब बयान ।।
ना लगता भरोसा ।
स्वयं अब सम्मान ।।
मच गई है खलबली ।
है सीटों का खेल ।।
बोल रहे हैं साथ-साथ ।
पर नहीं है मेल ।।
है नजदीक चुनाव ।
बाकी पर बंटवारा ।।
हास्यास्पद बन रहा ।
आगे का नजारा ।।
एकमत ना हो पाए ।
जंग पर है जारी ।।
है भगवान भरोसे ।
आगे की तैयारी ।।

–कृष्णेन्द्र राय

मालदीव का ड्रैगन के जाल से निकलना आसान नहीं होगा

योगेंद्र योगी

भारत का विरोध और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी करने वाले मालदीव के लिए चीन से रिश्ते पचाना इतना आसान नहीं हैं। चीन की अघोषित साम्राज्यवादी नीति का शिकार श्रीलंका और दक्षिण अफ्रीका के कई देश हो चुके हैं। चीन ने इन देशों को आर्थिक रूप से जकड़ कर गुलाम बनाने में कसर बाकी नहीं रखी। भारत ने आर्थिक पैकेज देकर समय रहते श्रीलंका को चीन के हाथों नहीं बचाया होता तो यह देश कब का कंगाल हो गया होता। भारत के साथ विवाद के बीच मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू ने चीनी समकक्ष शी चिनफिंग के साथ बैठक की। इसके बाद दोनों देशों ने 20 प्रमुख समझौतों पर हस्ताक्षर किए। इन समझौते की आड़ में चीन न सिर्फ मालदीव को आर्थिक शिकंजे में कसेगा बल्कि अपनी सैन्य विस्तार की नीति को भी अंजाम देने से बाज नहीं आएगा। गौरतलब है कि प्रधानमंत्री मोदी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 4 जनवरी को लक्षद्वीप के दौरे की तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर की थीं। इस पर मालदीव के तीन मंत्रियों की आपत्तिजनक बयानबाजी की। इन तस्वीरों पर मालदीव की मुइज्जू सरकार में मंत्री मरियम शिउना ने आपत्तिजनक ट्वीट किए थे। उन्होंने मोदी को इजरायल से जोड़ते हुए निशाने पर लिया था और लक्षद्वीप का भी मजाक उड़ाया था। इससे भारत में रोष की लहर फैल गई। सोशल मीडिया पर देश में बॉयकॉट मालदीव शुरू हो गया है और कई लोगों ने मालदीव के लिए फ्लाइट और होटल बुकिंग कैंसिल करवा दी। आम जनता से लेकर फिल्मी हस्तियां भी भारत सरकार और प्रधानमंत्री नरेंद्र के सपोर्ट में उतर आई। इस बीच मालदीव के कई दिग्गज नेताओं ने भी प्रधानमंत्री नरेंद्र और भारत का सपोर्ट किया और आपत्तिजनक बयान की कड़ी निंदा की।

मामला बढ़ता देख मालदीव की सरकार ने कहा कि जो बातें सोशल मीडिया पर कही गईं वे निजी बयान हैं और इनका सरकार से कोई नाता नहीं। घबराए मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू ने तीनों मंत्रियों को निलंबित कर मामले को ठंडा करने का प्रयास किया। इसके बावजूद देश में रोष बरकरार है। मुइज्जू ने चीन के फुजियान प्रांत में मंगलवार को राष्ट्रपति मुइज्जू ने मालदीव बिजनेस फोरम को संबोधित किया। यहां वह चीन के सामने पर्यटक भेजने के लिए गिड़गिड़ाते नजर आए। उन्होंने अपील करते हुए कहा कि चीन अधिक पर्यटकों को भेजने के प्रयासों को तेज करे। मालदीव में 2023 के राष्ट्रपति चुनावों के दौरान भारत विरोधी भावनाओं को उभारा गया और इस विषय पर दुष्प्रचार का प्रयास किया था। यूरोपीय संघ (ईयू) की एक रिपोर्ट में दावा किया गया कि प्रोग्रेसिव पार्टी ऑफ मालदीव (पीपीएम) और पीपुल्स नेशनल कांग्रेस (पीएनसी) के सत्तारूढ़ गठबंधन ने दुष्प्रचार किया था।

मालदीव के लिए यूरोपियन इलेक्शन ऑब्जरवेशन मिशन (ईयू ईओएम) ने पिछले साल नौ और 30 सितंबर को हुए दो दौर के चुनाव पर अपनी अंतिम रिपोर्ट प्रकाशित की। रिपोर्ट में कहा गया है कि सत्तारूढ़ गठबंधन प्रोग्रेसिव पार्टी ऑफ मालदीव और पीपुल्स नेशनल कांग्रेस ने 2023 के राष्ट्रपति चुनाव में भारत विरोधी भावनाओं को प्रमुखता दी और गलत सूचना फैलाने का प्रयास किया, जिससे मुइज्जू ने जीत हासिल की थी। राष्ट्रीय अधिकारियों के निमंत्रण पर हिंद महासागर में स्थित द्वीपीय

राष्ट्र में 11 सप्ताह के लंबे अवलोकन के बाद ईयू ईओएम ने कहा कि पीपीएम-पीएनसी गठबंधन द्वारा चलाया गया अभियान राष्ट्र पर भारत के प्रभाव की आशंकाओं पर आधारित था।

रिपोर्ट में कहा गया है कि ईयू ईओएम पर्यवेक्षकों ने पीपीएम-पीएनसी की ओर से राष्ट्रपति के प्रति अपमानजनक भाषा के उदाहरण देखे हैं। इसमें कहा गया कि पार्टियों के अभियान में भारत विरोधी भावनाएं शामिल थीं। देश के अंदर भारतीय सैन्य कर्मियों की उपस्थिति के बारे में भी चिंता प्रकट की गई थी। इसके साथ ही ऑनलाइन दुष्प्रचार अभियान चलाए गए। ईयू मिशन ने उल्लेख किया कि राजनीतिक और प्रचार अभियान के तहत धन उगाहने और वित्तीय व्यय में पारदर्शिता और प्रभावी निगरानी का अभाव देखा गया। ईयू ईओएम ने सरकारी मीडिया सहित मीडिया के राजनीतिक पक्षपात को भी दर्ज किया, जबकि इंटरनेट मीडिया में सूचना में हेरफेर के भी कुछ संकेत मिले। उस समय के मौजूदा राष्ट्रपति, मालदीवियन डेमोक्रेटिक पार्टी (एमडीपी) के इब्राहिम मोहम्मद सोलिह, पिछले साल फिर से चुनाव में उतरे थे। विपक्षी पीपीएम-पीएनसी गठबंधन द्वारा समर्थित पीएनसी के मोहम्मद मुइज्जू ने उन्हें हराकर 54 प्रतिशत वोटों के साथ चुनाव जीता। गौरतलब है कि भारत का प्रयास रहा है कि सभी पड़ौसी देशों से बराबरी के द्विपक्षीय रिश्ते कायम रहे। भारत ने कभी भी पड़ौसी छोटे मुल्कों के साथ छलकपट नहीं किया। यही वजह रही कि भारत ने नेपाल और बांग्लादेश के साथ सीमा संबंधी विवादों को द्विपक्षीय सहयोग से हल करने का प्रयास किया। भारत ने उदारता दिखाते हुए बांग्लादेश को कई हिस्से वापस तक कर दिए। यहां तक की गृहयुद्ध से जूझ रहे बर्मा में भी भारत ने कभी निजी हितों के मद्देनजर हस्तक्षेप कर-के अनुचित फायदा लेने का प्रयास नहीं किया। इसके विपरीत चीन छलकपट की नीति अपनाता रहा है। इसका नया प्रमाण भूटान के राजशाही परिवार के अधीन आने वाली सीमावर्ती भूमि पर चीन का अतिक्रमण है। मालदीव की पूरी अर्थव्यवस्था पर्यटन पर आधारित है। इसमें एक बड़ा हिस्सा भारत के पर्यटकों का है। वर्ष 2023 में 17 लाख से अधिक पर्यटकों ने मालदीव की यात्रा की थी जिनमें 2.09 लाख से अधिक भारतीय थे। इसके पहले 2022 में भारतीय सैलानियों की संख्या 2.4 लाख से अधिक थी। राजनीतिक संकट हो, आर्थिक मदद हो या फिर कोई आपदा हो जब-जब मालदीव को मदद की जरूरत थी, तब-तब भारत उसके साथ खड़ा नजर आया। वर्ष 2020 में जब कोरोना महामारी का संकट पूरी दुनिया पर छाया हुआ था, तब भी भारत सरकार ने स्थिति से निपटने के लिए मेडिकल टीम वहां भेजी और टीकाकरण अभियान भी चलाया। भारत ने कभी भी जोर-जबरदस्ती से सेना को मालदीव में नहीं भेजा। फरवरी 2021 में, भारत ने मालदीव के साथ उथुरू थिला फाल्हू द्वीप पर राष्ट्रीय रक्षा बल तटरक्षक बंदरगाह को विकसित करने के लिए विकास सौदे पर साइन किए थे। इस सौदे के जरिए समुद्र क्षेत्र की बेहतर निगरानी में मदद मिली थी। इसके बाद भारत ने मालदीव को कोस्टगार्ड के लिए एक पेट्रोल वैसल, एयर सर्विलांस के लिए एयर डॉर्नियर विमान, दो अटैक हेलिकॉप्टर प्रचंड दिया था। इसके अलावा 75 भारतीय जवानों को ट्रेनिंग के लिए भेजा गया। हालांकि, भारतीय सेना की मौजूदगी के खिलाफ इंडिया आउट अभियान चलाया गया।

बसपा में सीटिंग एमपी की जगह नये चेहरों की तलाश

अजय कुमार

बहुजन समाज पार्टी (बसपा) ने अकेले चुनाव लड़ने के फैसले के साथ ही सीटवार कसरत तेज कर दी है। बसपा का सबसे पहले उन 10 सीटों पर फोकस है, जिन पर उसने 2019 में जीत हासिल की थी। उसके वर्तमान सांसदों के दूसरे दलों के संपर्क में आने की खबरें आ रही हैं। इसे देखते हुए बसपा उनके विकल्प तलाश रही है। सूत्रों के अनुसार बसपा ज्यादातर सीटों पर प्रभारी तय कर चुकी है। सहारनपुर की सीट पर माजिद अली को काफी पहले प्रभारी घोषित किया जा चुका है, लेकिन उसके बाद यह काम रोक दिया गया था। मायावती ने अब प्रत्याशियों के चयन पर और अधिक काम करने के निर्देश दिए हैं। पूरी कसरत करने के बाद ही प्रत्याशियों का ऐलान किया जाएगा।

पार्टी उन खास सीटों पर भी काम कर रही है जहां 35 और 40 फीसदी से अधिक वोट हासिल किए थे। गौरतलब हो, बसपा ने 2019 का लोकसभा चुनाव सपा के साथ मिलकर लड़ा था. उसने 38 सीटों पर अपने प्रत्याशी उतारे थे। इनमें से जीती हुई सीटों के अलावा 10 और सीटें ऐसी थीं जिन पर उसे 40 फीसदी से अधिक वोट हासिल हुए। यहां बहुत कम वोटों के अंतर से हार मिली थीं। वहीं जीती हुई सीटों के अलावा 21 सीटें ऐसी थीं, जहां 35 फीसदी से ज्यादा वोट मिले थे। पार्टी ने ऐसी सीटें भी तलाशी हैं जहां दलित वोटर बहुसंख्यक हैं और यहां बसपा का प्रदर्शन अक्सर बेहतर रहता है। इनमें सहारनपुर, अम्बेडकर नगर, बिजनौर, नगीना, अमरोहा, आगरा जैसी कुछ सीटें हैं। पार्टी की कोशिश है कि ऐसे मजबूत सीटों पर बेहतर प्रत्याशी देकर वहां ठीक से प्रचार किया जाए। यहां पर बड़े नेताओं की अधिक से अधिक बैठकें और सभाएं की जाएं।

खैर, बसपा भले ही इस बार अकेले ही चुनाव मैदान में उतर रही हो, लेकिन बसपा प्रमुख ने यह भी कहा है कि चुनाव बाद अपनी शर्तों पर सरकार में शामिल हो सकती हैं। इसी को ध्यान में रखते हुए बसपा अपनी रणनीति तैयार कर रही है। कोशिश है मजबूत सीटों पर फोकस कर लिया जाए तो प्रदर्शन बेहतर हो सकता है। इनमें सबसे बड़ी चुनौती वह सिटिंग सीटें हैं, जहां वह पिछली बार जीती थी। यदि वह कुछ सीटें भी जीत लेती है तो यह चुनाव बाद उसकी योजना के लिए जरूरी है। यदि चुनाव नतीजे आने के बाद किसी भी दल को पूर्ण बहुमत नहीं मिलता है तो कुछ सीटों के दम पर वह उसके साथ जा सकती है, जिसकी सरकार बनने की उम्मीद हो। ऐसे में वह सरकार में शामिल हो सकती है।

संयम-करुणा से नया इतिहास रचने का समय

विश्वनाथ सचदेव

बाईस जनवरी दो हजार चौबीस। यह कैलेंडर की एक तारीख मात्र नहीं है। अयोध्या में भगवान राम के भव्य, दिव्य मंदिर की प्राण-प्रतिष्ठा के साथ ही यह तारीख, जैसा कि प्रधानमंत्री ने कहा है, नये इतिहास-चक्र की भी शुरूआत है। इस अवसर पर किये गये संबोधन में प्रधानमंत्री मोदी ने अपने संकल्प सबका साथ, सबका विकास और सबके विश्वास को एक नया आयाम भी दिया है। यह सही है कि भारतीय जनता पार्टी के लिए अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण एक चुनावी वादे का पूरा होना भी है। चुनावी घोषणापत्र में भाजपा लगातार इसकी बात भी करती रही है और यह भी सही है कि अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व वाली सरकार ने इस मुद्दे को स्थगित रखकर एक राजनीतिक परिपक्वता का उदाहरण ही प्रस्तुत किया था। लेकिन उच्चतम न्यायालय के निर्णय के बाद बालक राम के मंदिर का निर्माण निर्बाध भी हो गया था और एक स्वाभाविक परिणति भी।

अयोध्या में मंदिर निर्माण को पूरे देश में जो प्रतिसाद मिला है, वह कल्पनातीत है। भाजपा को इसका राजनीतिक लाभ मिलेगा, इसमें कोई संशय नहीं, पर जैसा कि प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में कहा है, राम विवाद नहीं, समाधान है। उनके इस कथन को समझा और स्वीकारा जाना चाहिए। यह भी समझा जाना चाहिए कि प्रधानमंत्री का यह कथन देश में संभावनाओं के नये आयाम भी खोल रहा है। राम और राष्ट्र के बीच की दूरी को पाटने का एक स्पष्ट संकेत भी प्रधानमंत्री ने दिया है। इस बात को भी समझने की ईमानदार कोशिश होनी चाहिए। राम की महत्ता हिंदू समाज के आराध्य होने में ही नहीं है, राम प्रतीक हैं सुशासन के। सुशासन, जिसमें हर नागरिक को, चाहे वह किसी भी धर्म, जाति, वर्ण, वर्ग का हो, प्रगति करने का समान और पर्याप्त अवसर मिलना चाहिए। तुलसी ने कहा था दैहिक, दैविक, भौतिक तापा, राम राज नहिं कहुहि व्यापा इस राज में, नहिं दरिद्र कोउ दुखी न दीना, नहीं कोउ अबुध न लच्छन हीना। किसी भी अच्छे शासन में यह बुनियादी स्थिति होनी चाहिए। राम-राज्य की बात तो हम बहुत करते हैं पर यह भूल जाते हैं कि राम-राज्य की परिकल्पना में हर नागरिक को समान अधिकार प्राप्त थे। राम ने तो स्वयं यह बात स्पष्ट की थी कि यदि राज-काज में उनसे कोई गलती हो जाती है तो हर नागरिक को यह अधिकार है, और यह उसका दायित्व है कि वह राजा को गलती का अहसास कराये। आज जब देश अयोध्या में राम मंदिर का उत्सव मना रहा है, यह बात भी याद रखना जरूरी है कि वनवास भोगकर जब भगवान राम अयोध्या लौटे थे तो हर नागरिक को खुशी मनाने का अवसर और अधिकार मिला था। समान अधिकार। राम के समावेशी शासन में कोई पराया नहीं था। सब अपने थे।

आज जब देश राममय हो रहा है, इस अपने-पराये का भेद मिटाने की आवश्यकता को भी समझना जरूरी है। धर्म के नाम पर, जाति के नाम पर, होने वाला कोई भी विभाजन राम-राज्य में स्वीकार्य नहीं हो सकता। सांस्कृतिक अथवा

धार्मिक राष्ट्रवाद के नाम पर किसी को कम या अधिक भारतीय आंकना भी राम-राज्य की भावना के प्रतिकूल है। इसमें कोई संदेह नहीं है कि अयोध्या में नया मंदिर बनने के बाद हिंदू समाज में एक नया उत्साह है। स्वाभाविक भी है यह। पर इस भाव की सीमाओं को भी समझना होगा हमें। नदी जब किनारा छोड़ती है तो बाढ़ आ जाती है। सरसंघ चालक मोहन भागवत ने प्राण-प्रतिष्ठा के अवसर पर कहा था जोश के माहौल में होश की बात करनी जरूरी है। यह होश ही वह किनारे हैं जो नदी को संयमित रखते हैं। बाढ़ से बचाते हैं। बाढ़ का मतलब तबाही होता है, इस तबाही से बचाना है तो हमें संयम बरतना होगा, सहमति के संवाद का मार्ग स्वीकारना होगा।

यह समझना जरूरी है कि सहमति के लिए और सहमति का संवाद बने कैसे? इसके लिए विजय के साथ-साथ विनय की भी आवश्यकता है। प्रधानमंत्री ने आने वाले हजार वर्षों के भारत की नींव रखने की बात कही है। इस नींव को आपसी भाई-चारे और मनुष्य की एकता-समानता के सीमेंट से ही मजबूत बनाया जा सकता है। यहीं इस बात को भी रेखांकित किया जाना जरूरी है कि हमारी कथनी और करनी में अंतर नहीं होना चाहिए। जब हम एक भारत श्रेष्ठ भारत की बात करते हैं तो यह भी समझना होगा कि आसेतु-हिमालय एक भारत जिस समाज से बनेगा वह किसी धर्म-विशेष का नहीं होगा। भारत के नागरिक का धर्म चाहे कोई भी हो, वह पहले भारतीय है। हर धर्म हमें मनुष्य बनने की प्रेरणा देता है। हर धर्म हमें एक-दूसरे की भावनाओं का आदर करने का संदेश देता है। हर धर्म हमें सिखाता है कि लक्ष्य एक है सिर्फ वहां तक पहुंचने के रास्ते अलग-अलग हैं। फिर, आदमी और आदमी में भेद किस बात का? मंदिर, मस्जिद, गिरजाघर या गुरुद्वारे में धर्म को बांट कर वस्तुतः हम धर्म को न समझने का उदाहरण ही प्रस्तुत करते हैं।

बहरहाल, अब जबकि अयोध्या में रामलला के भव्य-मंदिर का निर्माण हो चुका है, और हम मंदिर की प्राण-प्रतिष्ठा का उत्सव भी मना चुके हैं तो हमें आगे क्या करना है? यह सवाल अपने संबोधन में भागवत ने भी उठाया था। उन्होंने कहा था, अब हमें अहंकार को छोड़कर करुणा और संयम से काम लेना होगा। समय आ गया है जब हमें सदियों के इतिहास को पीछे छोड़कर आने वाली सदियों के इतिहास की शुरूआत करनी है। एक नया इतिहास रचने का समय है यह। संयम और करुणा के भाव से ही मनुष्यता का भावी इतिहास रचा जा सकता हैझ इस आने वाले कल के इतिहास में घृणा नहीं होगी, अहंकार नहीं होगा, एक-दूसरे के प्रति वैर-भाव नहीं होगा। किसी काम में देरी होने के लिए किसी से क्षमा मांगने की जरूरत भी नहीं है। सिर्फ अपना काम ईमानदारी से करने की जरूरत है। और क्या है यह अपना काम?

अपना काम अर्थात स्वयं को मनुष्यता के अनुकूल ढालने की ईमानदार कोशिश। जब हम राम को आग नहीं, ऊर्जा के रूप में समझें-स्वीकारेंगे तो यह भी समझ आ जायेगी कि जब हम राम को सबका कहते हैं तो इसका अर्थ सबको अपना समझना होता है, परायेपन के बोझ से मुक्त होना होता है। जब हम भारतीय सबको अपना समझ लेंगे तो यह भी समझ आ जायेगा कि जिस धर्म की स्थापना के लिए राम का जन्म हुआ था, वह मानव धर्म था। मानव धर्म अर्थात? मनुष्य की एकता और समानता में विश्वास। जब हमारा आचरण इस धर्म के अनुकूल होगा तभी राम का काम पूरा होगा। तभी हम कह पायेंगे, राम हमारा आदर्श हैं, हमारी आस्था हैं, हमारी पहचान हैं। विजय तब नहीं होती जब हम अपने शत्रु को परास्त करते हैं, विजय तब होती है जब हम शत्रु को यह अहसास दिला पाते हैं कि एक-दूसरे से नफरत करके हम अपने भीतर के मनुष्य को हराने की ही कोशिश करते हैं। भीतर के उस मनुष्य को जगाना, जगाये रखना जरूरी है। अयोध्या में रामलला की मूर्ति की प्राण- प्रतिष्ठा तो हो गयी, अपने भीतर की मनुष्यता की प्राण-प्रतिष्ठा भी जरूरी है। यह काम शब्दों से नहीं, कर्म से होगा।

जिलाधिकारी ने बालिका दिवस पर जिला चिकित्सालय में काटा केक

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। बेटी बचाओ बेटी बढ़ाओ के अन्तर्गत राष्ट्रीय बालिका दिवस के अवसर पर महिला चिकित्सालय गाजीपुर में जिलाधिकारी आर्यका अखौरी द्वारा कन्या जन्मोत्सव कार्यक्रम के तहत महिलाओं एवं उनके बच्चों के साथ केक काटकर जन्मउत्सव मनाया गया। जिलाधिकारी ने महिलाओ से कन्याओं को पढ़ने लिखने के लिए जागरूक करने को कहा। उन्होने कहा कि आप अपने क्षेत्रो में पहुचकर लोगो को बेटियों के बारे में जागरूक करें ताकि समाज में उनका भविष्य उज्जवल हो सके। जिलाधिकारी ने कहा कि कुछ लोग गर्भवती महिलाओ का अल्ट्रासाउंड करा कर पता कर लेते हैं कि वह लड़की है या लड़का है लड़की होने पर उसे गर्भ में ही मार देते हैं जो बहुत ही गलत है। उन्होने कहा कि ऐसी स्थित में काई भी अस्पताल में इस तरह के करने वाले व्यक्तियों के बारे में सूचना देता है तो उन्हे सरकार की तरफ से सम्मानित किया जायेगा। जिलाधिकारी ने उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा संचालित कन्या सुमंगला योजना के बारे में भी महिलाओं को जागरूक किया एवं उन्हें अपने-आप व बच्चो को ध्यान रखने के लिए कहा ताकि आप सुरक्षित रहें तभी आपके बच्चे भी सुरक्षित रहेंगे। उन्होने उपस्थित महिलाओं को बताया गया कि बेटा-बेटी में किसी प्रकार का भेद-भाव न किया जाये और बालिकाओं को शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिये प्रेरित किया जाये व लिंग भेदभाव जैसी कुरीतियों को समाप्त करने व महिलाओं के विरूद्ध हो रही हिंसा को समाप्त करने के लिये जागरूक करते हुये, आपातकालीन टोल फ्री नं0 जैसे 181, 1090, 112, 1098, 1076 आदि के बारें मे भी जानकारी दी। इस कार्यक्रम के अंतर्गत जिलाधिकारी महोदय के द्वारा, 31 महिलाओं को किट भी दिया गया इस किट में बेबी हिमालय किट तोलिया 500 ग्राम लड्डू वितरण किए गए। इस अवसर पर जिला प्रोबेशन अधिकारी, जिला नेहा राय, प्रियंका प्रजापति, वन स्टाप सेन्टर के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहें।

खो खो प्रतियोगिता में नेहरू स्टेडियम बाली बाल में डीलिया क्लब का रहा दबदबा

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। बुधवार को जनपद स्तरीय बालिकाओं की खो-खों प्रतियोगिता एवं जूनियर बालकों की वॉलीबाल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया इस प्रतियोगिता का उद्घाटन के मुख्य अतिथि सुरेन्द्र सोनकर, जिला युवा कल्याण अधिकारी गाजीपुर के कर कमलों द्वारा किया गया एवं खिलाड़ियों के पुरस्कार वितरण मो0 अकरम महमुद, उपक्रीड़ाधिकारी वाराणसी/प्रभारी क्रीड़ा अधिकारी गाजीपुर एवं पूर्व क्रीड़ाधिकारी सर्वदेव सिंह यादव द्वारा किया गया खो-खो प्रतियोगिता में 04 टीमों द्वारा प्रतिभाग किया, जिसका फाईनल मैच नेहरू स्टेडियम बनाम बी0एस0डी0 पब्लिक स्कूल रेवतीपुर के मध्य खेला गया, जिसमें नेहरू स्टेडियम गाजीपुर 03-05 से विजयी रही। इसी क्रम में वॉलीबाल प्रतियोगिता में कुल 04 टीमों ने प्रतिभाग किया, जिसका फाईनल मैच मैनपुर बनाम डिलिया क्लब गाजीपुर के मध्य खेला गया, जिसमें डिलिया क्लब गाजीपुर 25-20, 25-23 से विजयी रही इस अवसर पर राधेश्याम सिंह यादव, विानोद जायसवाल, बृजेश कुमार, रोशन लाल यादव, योगेन्द्र सिंह, संगीता यादव, उपस्थित रहें।

संक्षिप्त खबरें

शिव मंदिर में हनुमान चालीसा एवं सुंदरकांड का पाठ किया गया एवं माता बहनों द्वारा संगीत प्रस्तुत किया गया

प्रखर रामनगर वाराणसी। श्री राम मंदिर विग्रह प्राण प्रतिष्ठा के उपलक्ष में कोदोपुर रामनगर वाराणसी शिव मंदिर में हनुमान चालीसा एवं सुंदरकांड का पाठ किया गया एवं माता बहनों द्वारा संगीत प्रस्तुत किया गया। जिसमें मुख्य रूप से भाजपा युवा मोर्चा उपाध्यक्ष ऋतुराज चौबे महामंत्री सुचित पाठक चौबे रोहन खरवार शुभम खरवार महेंद्र बिष्णु दत्त त्रिपाठी अभिलाष त्रिपाठी प्रजापति रंजीत सिंह मिथिलेश सिंह महेश मिश्रा राहुल पांडे जुगेश प्रजापति शिवम उपाध्याय सुधिर दुबे अरविंद धनंजय चौबे सभी सम्मानित नगर वासी।

उत्तर प्रदेश राज्य के स्थापना दिवस कार्यक्रम के अवसर पर पहुंचे तीनो विधायक, एलईडी प्रचार वाहन गाड़ी से किया गया जन जागरूक

प्रखर संतकबीरनगर। जल जीवन मिशन राज्य पेयजल स्वच्छता मिशन नमामि गंगे तथा जल आपूर्ति विभाग उत्तर प्रदेश शासन द्वारा जल जीवन मिशन के अंतर्गत आउट डोर एलईडी /होर्डिंग जनपद सन्त कबीर नगर आज दिनांक 24-1-2024 को विकास भवन में कार्यक्रम में विधायक अंकुर राज तिवारी जी खलीलाबाद सदर, अनिल त्रिपाठी मेहदावल, गणेश चौहान हैंसर बाजार से कर्यक्रम में उपस्थित हुए। डी.एम महेंद्र सिंह तवर, मुख्य विकास अधिकारी संत कुमार, जिला विकास अधिकारी सुरेश चन्द्र केशरवानी, जिला पंचायत राज अधिकारी प्रमोद कुमार.अधिशासी अभियंता संजय कुमार जायसवाल ने जल जीवन मिशन कार्यक्रम की एलईडी बैन एक्शन फॉर रूरल डेवलपमेंट नोएडा डी पी सी सक्षम प्रताप सिंह यादव, सहायक डी पी सी नीरज कुमार जायसवाल कार्यदायी संस्था एक्शन फार रूरल डेवलपमेंट के तत्वाधान मे जिला परियोजना सक्षम प्रताप सिंह यादव ने बताया कि सरकार की हर घर जल योजना को प्रभावी बनाने हेतु जनपद संत कबीर नगर मे एलईडी एवं होर्डिंग्स प्रोग्राम का आयोजन जिला ,ब्लॉक,एवं ग्राम पंचायत स्तर पर कर के सरकार की मंशा के अनुरुप आम जनमानस को जन जागरूक किया जा रहा है।

एक और मामले में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष को मिली राहत

प्रखर पूर्वांचल वाराणसी। जीएसटी बिल के विरोध को लेकर धरना-प्रदर्शन करने व प्रधानमंत्री का पुतला फूंकने के मामले में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय को बड़ी राहत मिल गई इस मामले में अजय राय के अधिवक्ता अनुज यादव ने एमपी- एमएलए मजिस्ट्रेट कोर्ट में आईपीसी की धारा 188 के तहत एफआईआर दर्ज करने और विवेचना कर आरोप पत्र प्रेषित करने तथा मजिस्ट्रेट द्वारा इस पर संज्ञान लेने पर आपत्ति दर्ज कराया था कि 188 आईपीसी के तहत एफआईआर दर्ज नहीं हो सकता इसमें केवल परिवाद दाखिल हो सकता है जो 195 सीआरपीसी से बार है` अधिवक्ता के इस कथन पर एमपी-एमएलए मजिस्ट्रेट कोर्ट द्वारा कोई कार्यवाही न किए जाने पर इससे क्षुब्ध होकर उक्त एफआईआर और आरोप पत्र को इलाहाबाद उच्च न्यायालय में चुनौती दी गई जिसपर इलाहाबाद उच्च न्यायालय द्वारा 188 आईपीसी के तहत दर्ज एफआईआर तथा आरोप पत्र को निरस्त कर दिया` उच्च न्यायालय के आदेश की प्रति एमपी-एमएलए के कोर्ट में दाखिल की गई जिसपर कोर्ट ने उच्च न्यायालय के आदेश का अनुपालन करते हुए अजय राय के खिलाफ लंबित इस मुकदमे को निरस्त करते हुए पत्रावली को दाखिल दफ्तर किए जाने का आदेश पारित किया` प्रकरण के अनुसार तत्कालीन लहुराबीर चौकी प्रभारी अमरेंद्र कुमार पाण्डेय ने एक जुलाई 2017 को चेतगंज थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई थी` आरोप था कि 30 जून 2017 के मध्यरात्रि पूरे देश में लागू होने वाले जीएसटी कानून के विरोध में पूर्व विधायक अजय राय के नेतृत्व में 50-60 अज्ञात व्यक्ति दोपहर 12 बजे सरकार के खिलाफ आक्रामक नारेबाजी करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का पुतला लेकर फूंकने के लिए लहुराबीर चौराहे पर आए ` इस पर जब पुलिस ने उन्हें जनपद में धारा 144 सीआरपीसी लागू होने का हवाला देकर रोकते हुए पुतला छीनने का प्रयास करने लगी इसी दौरान पहले से साथ लाए गए पेट्रोल को दूर से फेंक कर पुतला जला दिया गया` जिसके बाद अजय राय समेत 50-60 अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ आईपीसी की धारा 188 के तहत मुकदमा दर्ज किया गया था बाद में विवेचना कर आरोप पत्र न्यायालय में प्रेषित कर दिया गया था इसी मामले में कांग्रेस के पूर्व जिलाध्यक्ष सतीश चौबे को एसीजेएम/एमपी-एमएलए कोर्ट उज्जवल उपाध्याय की अदालत ने 18 अगस्त 2022 को दोषी पाने 200 रुपए अर्थदंड की सजा सुनाई थी।

डीजीपी ने किया महा पंडित राहुल सांस्कृत्यायन पर लिखी पुस्तक का विमोचन

प्रखर कसया, कुशीनगर। अंतरराष्ट्रीय बौद्ध स्थली स्थित भिक्षु बुद्ध मित्र सांस्कृतिक केंद्र के सचिव लामा कर्मा कुंगा शेनफेन की लिखित पुस्तक का विमोचन प्रदेश के डीजीपी विजय कुमार ने अपने लखनऊ स्थित कार्यालय में मंगलवार को किया। भिक्षु बुद्ध मित्र के पुत्र भिक्षु लामा की लिखित व महा पण्डित राहुल सांस्कृत्यायन द्वारा संस्थान द्वारा प्रकाशित महा पण्डित राहुल सांस्कृत्यायन पुस्तक का विमोचन प्रदेश के डीजीपी विजय कुमार ने सेवा निवृत्त निदेशक उप्र संग्रहालय निदेशालय लखनऊ डॉ एसके सिंह, डॉ दामोदर दत्त दीक्षित, विजय कुमार उपाध्याय, विनय कीर्ति, नितिन राय के साथ किया। डीजीपी विजय कुमार ने कहा कि राहुल सांस्कृत्यायन ने अपने साहित्य में विश्व को नई दिशा दी। श्री लामा कुंगा ने बताया कि राहुल सांस्कृत्यायन 136 भाषाओं के जानकार थे। उन्होंने कई बार तिब्बत व अन्य देशों की यात्राएं की। मैंने बहुत परिश्रम कर पटना सहित देश के कई जगहों पर संग्रहालयों में रखे उनके लिखे साहित्य का संग्रह किया और उनके जीवन पर मैंने पुस्तक लिखी। पुस्तक विमोचन पर पूर्व विधायक रजनीकांत मणि त्रिपाठी, भन्ते विमल कीर्ति, भन्ते गौतम, भोला सिंह, बौद्ध संग्रहालय कुशीनगर अध्यक्ष अमित कुमार द्विवेदी अम्बिकेश त्रिपाठी आदि ने प्रसन्नता व्यक्त की है।

सुधाकर महिला शिक्षण संस्थान समूह की संस्थापिका श्रीमती शांति दूबे का तृतीय पुण्यतिथि

प्रखर पूर्वांचल वाराणसी। पाण्डेयपुर स्थित सुधाकर महिला शिक्षण संस्थान समूह की संस्थापिका व पूर्व प्रधानाचार्या सुधाकर महिला इण्टरमीडिएट कालेज की श्रीमती शांति दूबे की तृतीय पूण्य तिथि महाविद्यालय के प्रांगण में आहुत की गयी` प्राचार्य डॉ० प्रभु नारायण दूबे ने संस्थापिका महोदया के कृतित्व एवं व्यक्तित्व को रेखांकित करते हुए कहा कि श्रीमती शांति दूबे वाराणसी के वरुणा पार क्षेत्र में आज से लगभग 67 वर्ष पूर्व, 1957 ई.वी. में बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओं और महिला सबलीकरण का सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक आंदोलन की शुरूआत किया जो आज वर्तमान में भी इसे प्रचारित किया जा रहा है` शिक्षाविद और समन्यवक डॉ० अशोक कुमार पाण्डेय ने कहा कि नारी शिक्षा एक अच्छे समाज के निर्माण का आधार है। जो कि निरंतर सुधाकर महिला शिक्षण संस्थान नारी शिक्षा को बढ़ावा दे रही है` निदेशक श्री आशीर्वाद दूबे ने कहा कि नारी शिक्षा को और भी अन्य तकनीकी संसाधनों से जोड़ा जा रहा है क्योंकि महिलाओं के तकनीकी क्षेत्र में आने से एक कांतिकारी सामाजिक परिवर्तन हुआ है जिसमें स्त्रियों के निर्णयकारी क्षमता को बल देता है।

11 रजब को शानो शौकत से मनाया गया हजरत सरकार शेख अब्दुल रहीम शाह चिश्ती का उर्स मुबारक

प्रखर जौनपुर। गंगा जमुनी तहजीब शिराजे हिंद कहा जाने वाला जौनपुर यूं तो औलियाओ,बुजुर्गों, ऋषि मुनियों की तपोभूमि रहा है, और समय-समय पर लगने वाले उर्स और मेलो में सभी समुदाय के लोग एक दूसरे के तीज त्यौहार में शरीक होते है ताकि सभी लोग अपनी अपनी आस्था के मुताबिक अपनी जरूरत की मन्नत इन बुजुर्गो ऋषि मुनि से मांग सके। अपनी पुरानी रिवायत के अनुसार 11रजब यानी 23 जनवरी को जौनपुर शहर मे हजरत शेख अब्दुल रहीम शाह चिश्ती रहमतुल्ला अलैह और काजी सलाऊदीन खलील चिश्ती की दरगाह शरीफ पर उनका उर्स ए मुबारक अपनी पुरानी रिवायत के अनुरूप बड़े ही धूमधाम से मनाया गया, सुबह गुश्ल पाक के साथ साथ पारंपरिक चादर व गागर भी उठी इसके बाद एक मिलाद शरीफ और नात व हम्द पढ़ने का आयोजन किया गया जिसमें मौलाना कयामुद्दीन ने हजरत की सीरत पर एक बयान किया और बताया की हजरत चिस्तिया सिलसिले से समाज में फैली बुराइओ के लिए जौनपुर आए थे ,और एक समाज सुधारक के रूप में सादगी में रहकर यहां के लोगो को अच्छी शिक्षा से नवाजा, कार्यक्रम का आगाज कारी हसीन जौनपुर ने तिलावत कलाम ए पाक से किया अपनी रिवायत के मुताबिक शाही ईदगाह मरहूम दरगाह खादिम अब्दुल गफूर साहब के पुश्तैनी मकान से मौजूदा गद्दीनशीन शेख अब्दुल जब्बार के सरपरस्ती में चादर उठी और गाजे बाजे के साथ मजार शरीफ पर पहुंची, वही शाम को विभिन्न आए हुए कव्वालों ने एक अलग ही शमा बांधी हजरत शेख अब्दुल रहीम शाह चिश्ती रहमतुल्ला अलैह की मजार पर जिले ही नहीं बल्कि दूर-दराज से भी जायरीन व प्रदेश भर से आए हुए अकीदतमंदों ने अपनी अपनी मुरादे मांगी ,जिनमे बच्चे बूढ़े और औरते मौजूद रही जिनका सारा इंतजाम दरगाह गद्दीनशीन शेख अब्दुल जब्बार और उनके सरपरस्ती मे इंतजामीया कमेटी ने किया।शेख मुन्ना चिश्ती, सबरे आलम ,निसार अहमद ,नजमे आलम ,सोनू चिश्ती, ताज मोहम्मद ,अजमे आलम ,जिशान हैदर ,साहिल, तालिब ,चिराग,अख्तर अली कारी असगर रजा,आसिफ ,प्रिंस चाद बाबू,आदि मौजूद रहे।अंत में मुल्क में अमन व तरक्की के लिए दुआ कराई गई।

राज्यसभा सांसद अशोक बाजपेई का भाजपा व्यापार प्रकोष्ठ अध्यक्ष प्रमोद वर्मा के आवास पर हुआ आगमन

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। बुधवार को भाजपा व्यापार प्रकोष्ठ जिला अध्यक्ष प्रमोद वर्मा के आवास पर औपचारिक रूप से राज्यसभा सांसद अशोक बाजपेई का आगमन हुआ। उनके साथ वरिष्ठ भाजपा नेता अभिनव सिंहा एवं पूर्व मंत्री विजय मिश्रा भी साथ रहे। उक्त अवसर पर भाजपा व्यापार प्रकोष्ठ जिला अध्यक्ष प्रमोद वर्मा ने आए हुए अतिथियों का अंग वस्त्र व स्मृति चिन्ह देकर स्वागत अभिनंदन किया। इस अवसर पर अशोक वाजपेई ने कहा कार्यकर्ता हमारे पूंजी है। विकसित भारत संकल्प यात्रा का कार्यक्रम पूरे भारत मे चल रहा है जिसमें सारे लोग प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर जनकल्याणकारी योजनाओं को जन-जन तक पहुंचा रहे हैं और लोगों को विश्वास दिला रहे हैं कि जिन पात्र व्यक्तियों को अभी भी सरकारी योजनाएं नहीं मिली हैं यह मोदी जी की गारंटी है आने समय वाले समय में नरेंद्र मोदी की सरकार रहेगी तो सभी लोग उससे लाभवान्तित होंगे। नरेंद्र मोदी ने कहा है सबका साथ सबका विकास होगा 2047 तक भारत विकसित भारत होगा। उन्होंने वहां उपस्थित कार्यकताओं का मनोबल बढ़ाया और कहा अभी से 2024 के लोकसभा चुनाव के लिए आप सभी कमर कस ले। जो राम को लाये हैं अब उनको लाना है। अवाभगत से सांसद महोदय गदगद दिखे। आए हुए अतिथि भोजन उपरांत आगे के कार्यक्रम के लिए निकल गए। इस मौके पर लालगंज प्रभारी मुराहु राजभर, विधानसभा कार्यक्रम संयोजक सुशील सिंह, आरएसएस के जिला सहकार्यवाह दुर्गा प्रसाद, संजीव त्रिपाठी, कैलाश वर्मा, अशोक गुप्ता, उमाशंकर यादव, धर्मवीर राजभर, पीयूष सिंह, बबन प्रसाद गुप्ता, प्रशांत सिंह, विजय गुप्ता, धर्मेंद्र चौरसिया, टिंकू सिंह, अमित गुप्ता, अजय सिंह, अशोक पांडेय, उपेंद्र सिंह सहित प्रमुख लोग मौजूद रहे।

सामाजवादी पार्टी ने माल्यार्पण व गोष्ठी आयोजित कर मनाया कपूर्री ठाकुर की जयंती

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। बुधवार को समाजवादी पार्टी के तत्वाधान में जिलाध्यक्ष गोपाल यादव की अध्यक्षता में पार्टी कार्यालय समता भवन पर जननायक एवं बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री कपूर्री ठाकुर की जयंती पर माल्यार्पण कार्यक्रम एवं विचार गोष्ठी आयोजित हुई । गोष्ठी आरंभ होने के पूर्व पार्टी के सभी नेताओं एवं कार्यकताओं ने उनके चित्र पर माल्यार्पण अर्पित कर श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए सामाजिक न्याय की लड़ाई को और आगे बढ़ाने का संकल्प लिया। इस गोष्ठी में जिलाध्यक्ष गोपाल यादव ने कपूर्री ठाकुर को भारत रत्न सम्मान दिये जाने पर इसे समाजवादी विचारधारा का सम्मान बताते हुए कहा कि कपूर्री जी का जीवन हम सबके लिए अनुकरणीय है ,उनका संघर्ष,उनकी सरलता, सादगी और ईमानदारी हमें इस बात का संदेश देती है कि यदि आदमी के अन्दर मजबूत इच्छाशक्ति हो तो वह कोई भी मुकाम हासिल कर सकता है । उन्होंने कहा कि आज लोकतंत्र खतरे में हैं , लोकतंत्र को बचाना जरूरी है क्योंकि लोकतंत्र जिन्दा रहेगा तो गरीब जिन्दा रहेगा । उन्होंने कपूर्री ठाकुर को एक राजनीतिक स्वतंत्रता संग्राम सेनानी बताते हुए सामाजिक न्याय की लड़ाई का महान योद्धा बताया । उन्होंने कहा कि वह सरलता और सादगी के पर्याय थे ।उनका नाम उन समाजवादी नेताओं की कतार में आता है जिन्होंने निजी और सार्वजनिक जीवन में आचरण के ऊंचे मानदंड स्थापित किए । उन्होंने आजीवन समाज में व्याप्त आर्थिक एवं सामाजिक विसंगतियों के खिलाफ संघर्ष करते रहे ।कपूर्री ठाकुर का जीवन ताउम्र संघ?र्षों से भरा पड़ा था ।वह लालू जी के राजनीतिक गुरु थे और लोक राज की स्थापना के हिमायती थे । वह बिहार में सामाजिक आंदोलन के प्रतीक थे । वह बिहार की राजनीति में गरीब गुरबों की सबसे प्रबल आवाज थे । इस गोष्ठी में मुख्य रूप से रविन्द्र प्रताप यादव, यादव, हुकूम यादव, डा.समीर सिंह, राजेश कुमार यादव, निजामुद्दीन खां,आदि उपस्थित थे।इस गोष्ठी का संचालन जिला उपाध्यक्ष अरुण श्रीवास्तव ने किया ।

शोषितों वंचितों और सामाजिक न्याय के प्रणेता थे कपूर्री ठाकुर : शैलेंद्र यादव ललई

प्रखर जौनपुर। महान समाजवादी नेता,भारतीय स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, शिक्षक, शोषितों, पीड़ितों, वंचितों की मजबूत आवाज बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री जननायक कपूर्री ठाकुर की 100वीं जयंती पर सपाइयों ने ज़िला कार्यालय पर कर उन्हे याद करते हुए उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की। जननायक कपूर्री ठाकुर की स्वामी जयंती जनशताब्दी समारोह पर गोष्ठी को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष राकेश मौर्या ने कहाकि जननायक कपूर्री ठाकुर पिछड़े वर्गों के हितों के लिए सदैव संघर्षशील रहे जिसके नाते उन्हें जननायक की उपाधि दी गई। आज भी केंद्र और प्रदेश की सामंती सरकार को कपूर्री ठाकुर के पदचिन्हों पर चल कर ही हटाया जा सकता है। जन्मशताब्दी समारोह को संबोधित करते हुए पूर्व मंत्री शैलेंद्र यादव ललई व पूर्व मंत्री राजनारायण बिंद ने कहाकि जननायक कपूर्री ठाकुर के आदर्शों पर चलकर ही राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के जाति जनगणना की मजबूत आवाज से भयभीत मोदी सरकार ने जननायक कपूर्री ठाकुर को भारत रत्न देने की घोषणा की है। पूर्व ललई यादव ने कहा कि अपने संघर्षों और आदर्शों से सामाजिक न्याय के प्रणेता और जननायक बने कपूर्री ठाकुर। पूर्व मंत्री राजनारायण बिंद ने भारत सरकार से समाजवादी पार्टी के संस्थापक, पूर्व मुख्यमंत्री, पूर्व रक्षामंत्री श्रद्धेय नेताजी मुलायम सिंह यादव को भी भारत रत्न देने की मांग की। इस अवसर पर सपा के ज़िला कार्यालय पर भीषण ठंड को देखते हुए गरीबों में कंबल वितरित किया गया। जन्मशताब्दी समारोह को हिसामुद्दीन शाह, श्याम बहादुर पाल, राजेश विश्वकर्मा, विवेक रंजन यादव, आरिफ हबीब, रुखसार अहमद, मनोज मौर्या, शर्मिला यादव, कलीम यादव, राजेंद्र टाइगर, मेवालाल गौतम, श्याम नारायण बिंद, अमित यादव, संजीव साहू आदि ने संबोधित कर अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की। जन्म शताब्दी समारोह के अवसर पर आयोजित गोष्ठी में नाई समाज से विनोद शर्मा, विकास शर्मा और डा. अजय शर्मा, शाहनवाज खान शेखू, आलोक यादव, राममूर्ति सरोज, कमाल आजमी, अलमास सिद्दीकी सभासद, डा. जंगबहादुर यादव, अन्नपूर्णा देववंशी, डा. शबनम नाज, राजदेव पाल, कपिलदेव यादव, हीरालाल विश्वकर्मा, अमजद अंसारी सहित सभी विधानसभाओं,फ्रंटल संगठनों के पदाधिकारी उपस्थित रहे। जन्म शताब्दी समारोह की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष राकेश मौर्य एवं संचालन राजेंद्र यादव ने किया।

जिला पंचायत अध्यक्ष व जिलाधिकारी ने उत्तर प्रदेश दिवस पर आयोजित प्रदर्शनी का किया शुभारंभ

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। बुधवार को 24-26 जनवरी, तक तीन दिवसीय आयोजित प्रदर्शनी उ0प्र0 प्रदेश दिवस का शुभारम्भ मुख्य अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष सपना सिंह एंव जिलाधिकारी आर्यका अखौरी ने संयुक्त रूप से रायफल क्लब परिसर में फीता काटकर, दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। यह प्रदर्शनी जनपद में 24-26 जनवरी आयोजित रहेगी। उत्तर प्रदेश दिवस के अवसर पर परिसर में विभिन्न विभागो द्वारा प्रदर्शनी लगायी गयी थी। प्रदर्शनी का अवलोकन करने के पश्चात मुख्य अतिथि मंचाशीन होने के उपरान्त कार्यक्रम में मुख्य अतिथि का स्वागत स्कूली बच्चियो द्वारा स्वागतगीत गाकर किया गया। समारोह में विभिन्न स्कूल के छात्र-छात्राओ द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। इस अवसर पर राईफल क्लब सभागार में लखनऊ से मुख्यमंत्री द्वारा उत्तर प्रदेश दिवस के अवसर पर किये गये सम्बोधन का लाइव प्रसारण भी दिखाया एवं सुना गया। पर्यटन सूचना विभाग द्वारा पर्यटन से सम्बंधी लघु फिल्म की प्रस्तुति भी दी गयी। मुख्य अतिथि इस अवसर पर बधाई एवं शुभकामना देते हुए अपने सम्बोधन में कहा कि जो अपने अतीत की श्रेष्ठता को स्मरण एवं सम्मानित नही करता उसका इतिहास भविष्य में मिट जाता है। हम अपने विरासत की श्रेष्ठता का स्मरण नही करेगे तो कभी हम भविष्य का इतिहास नही बना सकते। उन्होने कहा कि यह देश कृषि प्रधान देश है लेकिन जनपद गाजीपुर पूरी तरह कृषि प्रधान जनपद है। उद्योगों को कृषि उत्पादन से जोड़ने का काम किया जाये जिससे बड़ी संख्या में रोजगार उलब्ध होगा। इससे किसानो का उत्पाद बढेगा, किसाना को उत्पाद की लाभकारी कीमत भी मिलेगी। उन्होने कहा कि भारत में किसानो को जितना शक्तिशाली बनायेगे भारत उतना ही समृद्ध बनेगा। समाज धर्म और राजधर्म जब एक साथ मिलकर कार्य करते है तो राष्ट्रधर्म का निर्माण होता है। उन्होने जिला प्रशासन को उत्तर प्रदेश दिवस के आयोजन पर बढाई देते हुए कहा कि अगले वर्ष उत्तर प्रदेश दिवस जब बनाया जायेगा तो केवल बदलता हुआ भारत, बदलता हुआ उत्तर प्रदेश ही नही बल्कि बदलता हुआ गाजीपुर भी जरूर दिखेगा। जिलाधिकारी ने अपने सम्बोधन मे उत्तर प्रदेश स्थापना दिवस की विस्तृत जानकारी देते हुए कहा कि हमारा राज्य उत्तर प्रदेश आज ही के दिन 24 जनवरी 1950 मे वर्तमान स्वरूप में गठित हुआ था इसी अवसर को हम उत्तर प्रदेश स्थापना दिवस के रूप में मनाते है। 24 जनवरी 1950 को हमारा राज्य उत्तर प्रदेश आगरा और अवध के प्रान्तो को जोड़कर गठित किया गया था। पहला उत्तर प्रदेश दिवस 2018 मे मनाया गया था। इसी क्रम प्रत्येक वर्ष 24 जनवरी को मनाया जा रहा है। उन्होने जनपद गाजीपुर के इतिहास के प्रति हर्ष भावना जागृत करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश में इस जनपद का गौरवमयी इतिहास रहा है। उन्होने कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लोगो एवं स्कूली बच्चो से अपील किया कि 01.01.2024 को होने वाले लोक सभा सामान्य निर्वाचन 2024 में 18 वर्ष एवं उससे उपर के युवा अपनी सहभागिता अवश्य करे तथा अपने घर, पास पड़ोस एवं क्षेत्र के लोगो को भी मतदान हेतु प्रेरित करे। उन्होने बताया कि निर्वाचन आयोग द्वारा 25 जनवरी 2024 को राष्ट्रीय मतदाता जागरूकता दिवस मनाये जाने का निर्देश दिया गया जिसमें प्रत्येक जनमानस का कर्तव्य है कि इस महापर्व में सहभागिता करते हुए लोगो को मतदान के लिए प्रेरित करे। मतदान से ही हमारा लोक तंत्र मजबूत होता है। शत-प्रतिशत मतदान, मजबूत लोकतंत्र की पहचान है। कार्यक्रम के दौरान जिलाधिकारी ने उपस्थित लोगो को मतदान हेतु शपथ भी दिलायी। पुलिस अधीक्षक ओमवीर सिंह कहा कि महिला सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलम्बल के लिए पुलिस विभाग भी अन्य विभागो के साथ सामन्जस्य स्थापित कर लगातार महिला सशक्तिकरण ,उनके सुरक्षा एवं उनके सम्मान को संरक्षित रखने के लिए कार्य कर रही है। उन्होने जनपद में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर विस्तृत जानकारी लोगो मे दी। कार्यक्रम मे बाल विकास सेवा एवं पुष्टाहार विभाग द्वारा आयोजित मुख्य अतिथि ने गर्भवती महिलाओ की गोदभराई किया गया।

प्रदर्शनी में प्रेरणा कैंटीन, जिला प्रोबेशन विभाग एवं पुलिस विभाग मिशन शक्ति, कृषि विभाग, गन्ना विभाग, पशुपालन विभाग, जिला मत्स्य विभाग, जिला दुग्ध, जिला उद्यान, डीसी एनआरएलएम एवं डीसी मनरेगा, खादी ग्राम उद्योग, युवा कल्याण अधिकारी, कृषि विपणन उप निदेशक कृषि, जिला पूर्ति विभाग, परियोजना निदेशक ग्रामीण विकास, जिला पंचायत राज अधिकारी, सिंचाई विभाग, जिला कार्यक्रम, समाज कल्याण एवं कल्याण सेक्टर के सभी विभाग, बेसिक शिक्षा, मुख्य चिकित्सा, वन विभाग, यूपी डास्प, जिला अग्रणी प्रबन्धक, जिला विद्यालय निरीक्षक, भूमि संरक्षण विभाग, महिला कल्याण विभाग एवं जिला उद्योग एवं उद्यमिता विकास केन्द्र, दिव्याग विभाग, पर्यटन विभाग, जिला सूचना विभाग, जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण, रा0 आजीविका मिशन, आयुष्मान भारत, ग्रामोद्योग विभाग,खाद्य रसद विभाग द्वारा गेहू खरीद हेतु पंजीकृत, नवीनिकरण, एवं स्वयं सेवी संस्थाओं द्वारा प्रदर्शनी, स्टाल लगाये गये थे। विभागो द्वारा अपनी-अपनी लाभकारी योजनाओ को बताया गया। कार्यक्रम मे जनपद के साहित्यकारो, कवियों, खिलाडियों, आंगनवाड़ी, सफाईकर्मी, आशा, स्वयं सेवा समूह की महिलाओ, एवं विभिन्न विभागो मे उत्कृष्ट कार्य करने वाले व्यक्तियों/कर्मचारियो को स्मृति चिन्ह एंव प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया।

गर्भगृह में स्थापना के लिए 'चयनित' दूसरी मूर्ति की तस्वीर भी आई सामने

एजेंसी ▸▸| अयोध्या

अयोध्या के भव्य राम मंदिर में रामलला की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा बड़े हर्षोल्लास के साथ 22 जनवरी को स्थापित हो चुकी है। इस दौरान पूरे देश में उत्सव का माहौल था। हर मंदिर और घर-घर में राम नाम के दीपक जलाए गए और दीवाली मनाई गई। मैसूर के प्रसिद्ध मूर्तिकार अरुण योगीराज द्वारा कृष्णशिला पर निर्मित मूर्ति मंदिर के गर्भ गृह में स्थापित की गई है। आपको बता दें कि गर्भ गृह में रामलला की मूर्ति स्थापित करने के लिए तीन मूर्तियां बनाई गई थीं। शास्त्रों में वर्णन है निलांबुजम श्यामम कोमलांगम... इसलिए श्यामल रंग की ही श्रीराम की मूर्ति को गर्भ गृह में स्थान दिया गया है। बताते चलें कि उत्तर भारत में ज्यादातर मूर्तियां सफेद संगमरमर या अष्टधातु से बनाई जाती हैं, लेकिन दक्षिण भारत में मूर्तियां श्याम रंग की होती हैं।

अब प्रथम तल पर लगेगी रामलला की सफेद पत्थर से बनी यह दूसरी मूर्ति

राम मंदिर के गर्भ गृह में स्थापित प्रतिमा की ऊंचाई 51 इंच बहुत सोच समझकर रखी गई है। अमूमन भारत में 5 साल के बच्चे की लंबाई 51 इंच के आस-पास होती है। साथ ही 51 शुभ अंक माना जाता है। यही वजह है कि भंगृह में स्थापित होने वाली मूर्ति का आकार भी 51 इंच रखा गया है। गर्भ गृह में स्थापित मूर्ति का निर्माण शालीग्राम पत्थर को तराशकर हुआ है। बताते चलें कि आमतौर पर नदियों की तलहटी में पाया जाने वाला शालीग्राम एक प्रकार का जीवाश्म पत्थर है। श्याम शिला की आयु हजारों साल होती है। ये जल रोधी होता है। इसी कारण से चंदन-रोली लगाने के बाद भी मूर्ति की चमक सालों साल प्रभावित नहीं होती है।

प्रतिमा की ऊंचाई 51 इंच

श्वेत वर्ण की मूर्ति

दूसरी मूर्ति की सामने आई तस्वीर में दिख रहा है कि वह श्वेत वर्ण की है। इसमें भगवान राम के चरणों में हनुमान जी भी विराजित हैं, वहीं, भगवान विष्णु के अवतारों को चारों तरफ बनाया गया है। इसमें भगवान विष्णु के 10 अवतार 1-मत्स्य, 2- कूर्म, 3- वराह, 4- नरसिंह, 5-वामन, 6- परशुराम, 7- राम, 8- कृष्ण, 9- बुद्ध और 10वां कल्कि अवतार की आकृतियां भी बनाई गई हैं।

मूर्तिकार सत्य नारायण पांडे ने बनाया है इसे

ऐसे में आप सोच रहे होंगे कि गर्भ गृह में स्थापित करने के लिए चयनित नहीं हो सकीं बाकी दो मूर्तियों का क्या होगा? तो हम आपको बता देते हैं कि अलंकृत रामलला के दूसरा विग्रह की तस्वीर भी अब सामने आ चुकी है। इसे प्रथम तल पर लगाया जा सकता है। इस मूर्ति को सत्य नारायण पांडे ने बनाया है। यह उन तीन मूर्तियों में शामिल है, जिन्हें गर्भगृह में स्थापित करने के लिए गढ़ा गया था। मगर, कर्नाटक के मूर्तिकार अरुण योगीराज की मूर्ति गर्भ गृह के लिए चयनित होने के बाद अब शेष दो मूर्तियों को मंदिर में अन्य स्थानों पर जगह दी जाएगी।

तीसरी प्रतिमा का अब तक खुलासा नहीं

वहीं, तीसरे विग्रह के बारे में प्रतीक्षा की जा रही है। इसे कर्नाटक के गणेश भट्ट ने बनाया है। हालांकि, तीसरी मूर्ति भी तैयार है, लेकिन अभी उसकी तस्वीर सार्वजनिक नहीं की गई है। बताया जा रहा है कि उसे भी राम मंदिर में ही स्थापित किया जाएगा।

खबर संक्षेप

सरकार को सौंपें सीएम जयललिता के आभूषण

बेंगलुरू। बेंगलुरु की एक विशेष अदालत ने तमिलनाडु की पूर्व सीएम जयललिता के सोने और हीरे के आभूषण तमिलनाडु सरकार को ट्रांसफर करने का निर्देश दिया है। इसके बाद अब तमिलनाडु सरकार ही इन आभूषणों को लेकर कोई अंतिम फैसला करेगी। जयललिता के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति के मामले में ये आभूषण बतौर सबूत अदालत में पेश किए गए थे। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद जयललिता के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति के मामले की सुनवाई बेंगलुरु में हुई थी।

पर्यटन : श्रीलंका से जुड़ेगा धनुषकोडी

नई दिल्ली। पर्यटन, अध्यात्म और अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने के लिए भारत सरकार जल्द ही भारत और श्रीलंका के बीच एक नए पुल का निर्माण करने की योजना बना रही है। पुल भारत के धनुषकोडी को श्रीलंका के तलाईमन्नार से जोड़ेगा। बता दें, यह वही जगह है जिसे हिंदु मान्यताओं के अनुसार रामसेतु कहा जाता है। जुलाई 2022 में श्रीलंकाई राष्ट्रपति रनिल विक्रमसिंघे की दिल्ली यात्रा के दौरान भारत और श्रीलंका त्रिंकोमाली और कोलंबो के बंदरगाहों तक भूमि पहुंच के विकास की व्यवहारिकता की जांच के लिए सहमत हुए थे।

रेलवे के तीन कर्मचारियों को ट्रेन ने कुचला, मौत

मुंबई। महाराष्ट्र के पालघर जिले के वसई के पास एक लोकल ट्रेन की चपेट में आने से पश्चिमी रेलवे के तीन कर्मचरियों की मौत हो गई। रेलवे की ओर से जारी बयान के मुताबिक, ये कर्मचारी सिग्नल से संबधित समस्या ठीक कर रहे थे। राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) के एक अफसर ने बताया कि यह घटना सोमवार रात 8.55 पर वसई रोड और नायगांव स्टेशन के बीच हुई। लोकट ट्रेन चर्चगेट की ओर जा रही थी। इसी दौरान तीनों रेलवे कर्मी ट्रेन की चपेट में आ गए।

बेटे ने लगाया इमरान की पार्टी का झंडा तो पिता ने कर दी हत्या

पेशावर। पाकिस्तान में आम चुनाव हो रहे हैं। सभी पार्टियां चुनाव प्रचार में जुटी हैं। लोग भी जिस पार्टी का समर्थन कर रहे हैं उसके झंडे को अपने घर पर लगा रहे हैं। इस बीच पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के प्रति गहरी नफरत भी दिख रही है। पेशावर में एक ऐसे ही मामले में एक पिता ने अपने बेटे की हत्या कर दी। घटना खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के पेशावर के बाहरी इलाके की है। हाल ही में कतर से काम कर लौटे बेटे ने इमरान खान की पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ पार्टी का झंडा घर पर लगा दिया। पिता से इस बात को लेकर उसका विवाद हो गया।

शुक्रवार को मनाया जाएगा 75वां गणतंत्र दिवस

पहली बार तीनों सेनाओं की महिला टुकड़ी, झांकियों में भी नारी शक्ति

एजेंसी ▸▸| नई दिल्ली

समूचा राष्ट्र इस वर्ष 75वां गणतंत्र दिवस मनाएगा। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों इस साल के समारोह के मुख्य अतिथि हैं। यह गणतंत्र दिवस हमारे लिए कई मायनों में खास होने जा रहा है। इसमें दिखाई जाने वाली झांकियों से लेकर परेड और थीम तक के केंद्र में महिलाएं हैं।

इस वर्ष की थीम 'विकसित भारत और भारत-लोकतंत्र की मातृका' रखी गई है। जैसा कि इस साल के गणतंत्र दिवस की थीम महिलाओं पर आधारित है तो परेड में महिलाओं का अब तक का सबसे अच्छा प्रतिनिधित्व देखने को मिलेगा। रक्षा सचिव अरमाने ने जानकारी दी है कि परेड की शुरुआत सैन्य बैंड के साथ होती आई है लेकिन इस बार देशभर की 100 महिला सांस्कृतिक कलाकार पारंपरिक वाद्यों के साथ परेड की शुरुआत करेंगी।

खास बातें

- इस बार की परेड में महिला फाइटर पायलट भी शामिल
- इस परेड में 48 महिला अग्निवीर भी ले रही हैं हिस्सा

परेड की खासियत : परेड की अन्य खासियतों की बात करें तो पहली बार तीनों सेनाओं की एक महिला टुकड़ी भी मार्च करेगी। केंद्रीय सशस्त्र बलों की टुकड़ियों में भी महिलाकर्मी शामिल होंगी। इस बार के परेड में महिला फाइटर पायलटों को भी शामिल किया गया है। इस परेड में 48 महिला अग्निवीर भी हिस्सा ले रहीं है।

ये करेंगी नेतृत्व

गणतंत्र दिवस परेड में कैप्टन शरण्या राव थलसेना की टुकड़ी का नेतृत्व करेंगी। फ्रांस के राष्ट्रीय दिवस में अतिथि के तौर पर पीएम मोदी के साथ शामिल रहीं स्क्वॉड्रन लीडर सुमिता यादव भी इस परेड में हिस्सा ले रहीं है। स्क्वाड्रन लीडर रश्मि ठाकुर गणतंत्र दिवस परेड में भारतीय वायुसेना की मार्चिंग टुकड़ी का नेतृत्व करेंगी। उनके साथ स्क्वाड्रन लीडर सुमिता यादव और स्क्वाड्रन लीडर प्रतीति अहलुवालिया और फ्लाइट लेफ्टिनेंट कीर्ति रोहिल भी रहेंगी। फ्लाइट लेफ्टिनेंट सृष्टि वर्मा त्रि-सेवा दल के सुपर न्यूमैरेरी अफसर के तौर पर मार्चिंग करेंगी।

16 राज्यों की झांकियां

परेड में 16 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों और नौ मंत्रालयों की झांकियां दिखाई जाएंगी। ये राज्य उत्तर प्रदेश, अरुणाचल प्रदेश, हरियाणा, मणिपुर, मध्य प्रदेश, ओडिशा, छत्तीसगढ़, राजस्थान, महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश, लद्दाख, तमिलनाडु, गुजरात, मेघालय, झारखंड और तेलंगाना हैं। इसके अलावा नौ केंद्र सरकार के नौ मंत्रालयों की झांकिया भी कर्तव्य पथ पर चलेगी। दक्षिण-पश्चिम दिल्ली के रंगशाला में इन्हें अंतिम रूप दिया गया है।

फ्रांसीसी राष्ट्रपति मुख्य अतिथि

फ्रांसीसी राष्ट्रपति मैक्रों 75वें गणतंत्र दिवस समारोह के मुख्य अतिथि हैं। परेड में फ्रांस की 95 सदस्यीय मार्चिंग टीम और 33 सदस्यीय बैंड दल भी शिरकत करेगा। भारतीय वायु सेना के विमानों के साथ एक मल्टी रोल टैंकर ट्रांसपोर्ट विमान और फ्रांसीसी वायुसेना के दो राफेल लड़ाकू जेट भी फ्लाई-पास्ट में हिस्सा लेंगे। इस साल परेड में शामिल होने के लिए लगभग 13 हजार विशेष मेहमानों को आमंत्रित किया गया है।

ये है कार्यक्रम

शुक्रवार को देश अपना 75वां गणतंत्र दिवस मनाएगा। इस वर्ष की थीम 'विकसित भारत और भारत-लोकतंत्र की मातृका' रखी गई है। गणतंत्र दिवस समारोह की शुरुआत ध्वजारोहण के साथ होगी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू दिल्ली स्थित कर्तव्य पथ (पहले राजपथ कहा जाता था) पर ध्वजारोहण करेंगी। वहीं, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सुबह अमर जवान ज्योति पर श्रद्धांजलि देंगे।

अराकन सेना से बचने मिजोरम में किया था प्रवेश

भारत ने म्यांमार के 184 सैनिकों को वापस भेजा

एजेंसी ▸▸| आइजोल

भारत ने पिछले हफ्ते एक जातीय विद्रोह समूह के साथ मुठभेड़ के बाद मिजोरम आए म्यांमार के 184 सैनिकों को वापस उनके देश भेज दिया है। एक अधिकारी ने मंगलवार को इसकी जानकारी दी। असम राइफल्स के अधिकारी के अनुसार कुल 276 सैनिक मिजोरम आए थे, उनमें से 184 सैनिकों को वापस भेज दिया गया है।

अराकन सैनिकों द्वारा उनके कैंप पर कब्जा करने के बाद वे भाग कर मिजोरम की तरफ आ गए। सैनिकों को पर्व में असम राइफल्स कैंप लाया गया और बाद में उनमें से अधिकांश को लुंगलेई में स्थानांतरित कर दिया गया था। अधिकारी ने बताया कि सैनिकों को असम राइफल्स की देखरेख में रखा गया है। 276 सैनिकों को शनिवार और रविवार को आइजोल लाया गया था।

अबतक 635 सैनिक आ चुके हैं भारत

म्यांमार सैनिकों के समूह में 36 अधिकारी वर्ग और 240 निचले स्तर के कार्मिक शामिल हैं। अबतक म्यांमार के 635 सैनिक भागकर मिजोरम आ चुके हैं। उनमें से 359 सैनिकों को उनके देश वापस भेज दिया गया है।

अब भी यहीं हैं 92 सैनिक

असम राइफल्स की एक अधिकारी ने बताया कि 184 सैनिकों को मिजोरम के लेंगपुई हवाईअड्डे से पड़ोसी देश के राखीन राज्य में सिटवे तक म्यांमार वायु सेना के विमानों पर भेजा गया था। उन्होंने आगे कहा कि बाकी के 92 सैनिकों को मंगलवार को भेज दिया जाएगा। बता दें कि 17 जनवरी को हथियारों और गोला-बारूद से लैस म्यांमार के सैनिक दक्षिणी मिजोरम के लॉन्गटलाई जिले में घुस आए थे। भारत-म्यांमार-बांग्लादेश ट्राइजंक्शन पर बांडुकबंगा गांव में घुसे तमाम सैनिक असम राइफल्स के पास पहुंचे।

'अपमान के बावजूद मैंने इंडिया की मीटिंग में हिस्सा लिया'

टीएमसी चीफ ममता ने लगाया आरोप

बोलीं- लेफ्ट पार्टियां इंडिया के एजेंडे को कंट्रोल करने की कोशिश कर रहीं

एजेंसी ▸▸| नई दिल्ली

लोकसभा चुनाव की सीटों के बटवारे को लेकर चल रही लड़ाई के बीच विपक्ष के गठबंधन पर टूट अब चर्चाएं तेज हो गई है। वहीं अब तृणमूल कांग्रेस सुप्रीमो ममता बनर्जी ने कोलकाता में आयोजित सर्वधर्म सद्भाव रैली में बिना पार्टी का नाम लिए कांग्रेस पर तंज कसा और कहा कि - 'लेफ्ट पार्टियां इंडिया के एजेंडे को कंट्रोल करने की कोशिश कर रही हैं। मैं यह स्वीकार नहीं करूंगी।'इस दौरान ममता ने इंडिया गठबंधन में सीटों के बटवारे को लेकर असहमति जताई। ममता बनर्जी ने कहा – 'मैं उन लोगों से सहमत नहीं हो सकती, जिनके साथ मैंने 34 साल तक संघर्ष किया है। इतने अपमान के बावजूद मैंने इंडिया की मीटिंग में हिस्सा लिया।'

कांग्रेस पर साधा निशाना

लोकसभा चुनाव की सीटों के बटवारे पर चल रहे संघर्ष के बीच ममता ने कहा की – 'कांग्रेस पार्टी को क्षेत्रीय पार्टियों के लिए कुछ खास इलाकों को छोड़ देना चाहिए। कांग्रेस चाहे तो 300 लोकसभा सीटों पर भी चुनाव लड़ ले। हम उनकी मदद करेंगे। हम उन सीटों पर चुनाव नहीं लड़ेंगे।' आगे बोलते हुए ममता ने कांग्रेस पर तंज कसा और कहा की -'टीएमसी के पास भाजपा से चुनाव में मुकाबला करने की ताकत भी है और जनाधार भी है। लेकिन कुछ लोग सीट शेयरिंग पर हमारी बात सुनना नहीं चाहते हैं।'

बिहार में बड़ी हलचल

राज्यपाल से मिले सीएम नीतीश कुमार

पटना। बिहार की सियासत में एक बार सियासी हलचल है। दरअसल मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने राज्यपाल राजेंद्र अरलेकर से राजभवन पहुंचकर तकरीबन 40 मिनट मुलाकात की है। इस दौरान मुख्यमंत्री के साथ मंत्री विजय चौधरी भी थे। इससे पहले जेडीयू ने कांग्रेस के उस दावे को खारिज किया था जिसमें कहा गया था कि बिहार सीएम राहुल गांधी की सभा में शामिल होने वाले हैं। जेडीयू एमएलसी खालिद अनवर ने यह साफ किया है कि नीतीश कुमार ऐसी किसी सभा में शामिल होने नहीं जा रहे हैं। पिछले कुछ दिनों से बिहार का सियासी पारा काफी हाई माना जा रहा है। इसकी एक अहम वजह गृहमंत्री अमित शाह का वो बयान भी था जिसमें गृहमंत्री ने नीतीश के एनडीए में आने की संभावना के सवाल पर कहा था कि ऐसा प्रस्ताव आता है तो गौर किया जाएगा।

आसपास अल्पसंख्यक हैं, इसलिए नहीं रोक सकते समारोह

मंदिरों में पूजा पर रोक मामला

- तमिलनाडु सरकार को सुप्रीम कोर्ट की फटकार

एजेंसी ▸▸| नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने तमिलनाडु सरकार की ओर से जारी कथित मौखिक आदेश पर आपत्ति जताई, जिसमें अयोध्या में राममंदिर के प्राण प्रतिष्ठा समारोह के सीधे प्रसारण व राज्य में मंदिरों में पूजा-भजन पर प्रतिबंध लगा दिया था। जस्टिस संजीव खन्ना और जस्टिस दीपांकर दत्ता की पीठ ने कहा, राज्य के अधिकारी इस आधार पर पूजा और समारोह के आवेदन को खारिज नहीं कर सकते कि आसपास के इलाकों में अल्पसंख्यक रह रहे हैं। पीठ ने तमिलनाडु के अतिरिक्त महाधिवक्ता अमित आनंद तिवारी से कहा, हम स्पष्ट करते हैं... इस कारण से ऐसा न करें। यह कोई आधार नहीं हो सकता।

आप डाटा रखिए। कितने आवेदनों को अनुमति दी गई या कितने अस्वीकृत किए गए। कारण यही है, तो आप दिक्कत में पड़ जाएंगे। अदालत ने चेन्नई निवासी विनोज की ओर से दायर याचिका पर तमिलनाडु सरकार को नोटिस जारी किया। तिवारी ने कहा, ऐसा कोई मौखिक आदेश जारी नहीं किया है। कोई प्रतिबंध नहीं लगाया है।

पीठ ने कहा-यह कारण मनमाना

पीठ ने कहा, यह समरूप समाज है। केवल इस आधार पर न रोकें कि वहां ए या बी समुदाय है। अस्वीकृति के लिए क्या कारण दिए जाते हैं? यह कारण कैसे दिया जा सकता है कि हिंदू किसी स्थान पर अल्पसंख्यक हैं, इसलिए आप अनुमति नहीं देंगे। पीठ ने राज्य सरकार से कहा, यह कारण मनमाने हैं। अगर कारण यही है, तो राज्यभर में तो नहीं हो सकता है।

नेताजी की जयंती...

नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती मंगलवार को देशभर में मनाई गई। इस अवसर पर त्रिपुरा की राजधानी अगरतला में श्रद्धांजलि देने के लिए एक कार्यक्रम के दौरान छात्रों ने नेताजी की पोशाक पहनकर सेल्फी ली।

दिल्ली दवा घोटाला

सीबीआई ने प्रारंभिक जांच दर्ज कर शुरू की कार्रवाई

अस्पतालों और मोहल्ला क्लीनिकों में घटिया दवाओं की सप्लाई

एजेंसी ▸▸| नई दिल्ली

केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने दिल्ली सरकार के अस्पतालों और मोहल्ला क्लीनिकों में घटिया दवाओं के आरोपों की प्रारंभिक जांच दर्ज की है। आसान भाषा में समझें तो एफआईआर दर्ज करने से पहले जांच एजेंसी द्वारा प्रारंभिक जांच कार्रवाई की जाती है। प्रारंभिक जांच गृह मंत्रालय द्वारा दिल्ली सरकार के सतर्कता निदेशालय की एक रिपोर्ट को आगे बढ़ाने के बाद हुई है, जिसमें सीबीआई जांच की मांग की गई थी। दिल्ली के एलजी विनय कुमार सक्सेना ने आरोप लगाया था कि दवाएं गुणवत्ता मानक परीक्षणों में विफल रहीं और दिल्ली सरकार द्वारा संचालित अस्पतालों में जीवन को खतरे में डालने की क्षमता थी। दिल्ली के एलजी सक्सेना ने इस पूरे मामले की सीबीआई जांच की सिफारिश की थी।

परीक्षण के बाद कई नमूने विफल पाए गए

सतर्कता विभाग की रिपोर्ट के आधार पर सीबीआई जांच की सिफारिश करते हुए दिल्ली के एलजी विनय कुमार सक्सेना ने मुख्य सचिव को लिखे नोट में कहा था कि यह चिंताजनक है। सतर्कता विभाग की रिपोर्ट में कहा गया है कि सरकारी प्रयोगशालाओं में भेजे गए 43 नमूनों में से 3 नमूने फेल हो गए हैं। निजी प्रयोगशालाओं को भेजे गए अन्य 43 नमूनों में से 5 नमूने विफल रहे और 38 नमूने मानक गुणवत्ता के पाए गए।

10 फीसदी से ज्यादा सैंपल फेल निकले

विजिलेंस विभाग ने सिफारिश की है कि चूंकि 10 फीसदी से ज्यादा सैंपल फेल हो चुके हैं, इसलिए विभाग को सैंपलिंग का दायरा बढ़ाना चाहिए। दवाएं सरकार की केंद्रीय खरीद एजेंसी द्वारा खरीदी गईं और सरकारी अस्पतालों और मोहल्ला क्लीनिकों को आपूर्ति की गईं।

बिहार के पूर्व सीएम को मिलेगा मरणोपरांत भारत रत्न

कभी नहीं उठाया पद का लाभ, पिछड़ों के लिए लड़ी लड़ाई

बिहार के पूर्व सीएम व बड़े समाजवादी नेता कर्पूरी ठाकुर को मरणोपरांत भारत रत्न देने की घोषणा की गयी है। मंगलवार को उनकी जयंती थी, इस मौके पर यह ऐलान हुआ है। केंद्र सरकार के इस फैसले को बिहार के साथ-साथ पूरे देश के लिए बड़ा माना जा रहा है। ठाकुर गरीबों के मसीहा के रूप में विख्यात थे। आइए जानते हैं, ठाकुर के योगदान को।

जननायक के नाम से मशहूर, आज भी सुनाए जाते ईमानदारी के किस्से

नई दिल्ली। कर्पूरी ठाकुर बेहद गरीब परिवार से आते थे। दो बार बिहार के मुख्यमंत्री और एक बार उप मुख्यमंत्री रहे. उनके बारे में कहा जाता है कि सत्ता मिलने के बावजूद उन्होंने कभी भी उसका दुरुपयोग नहीं किया। उनकी ईमानदारी के कई किस्से आज भी बिहार में आपको सुनने को मिलते हैं। बता दें, बिहार के तमाम बड़े नेता जैसे नीतीश कुमार, लालू प्रसाद यादव, राम विलास पासवान, सुशील कुमार मोदी कर्पूरी ठाकुर के आदर्शों की बात करके ही राजनीति में आगे बढ़े हैं।

जमीन लेने से कर दिया था मना : सत्तर के दशक में पटना में विधायकों और पूर्व विधायकों के निजी आवास के लिए सरकार सस्ती दर पर जमीन दे रही थी। खुद कर्पूरी ठाकुर के दल के कुछ विधायकों ने कर्पूरी ठाकुर से कहा कि आप भी अपने आवास के लिए जमीन ले लीजिए। कर्पूरी ठाकुर ने साफ मना कर दिया। तब के एक विधायक ने उनसे यह भी कहा था कि जमीन ले लीजिए.अन्यथा आप नहीं रहिएगा तो आपका बाल-बच्चा कहां रहेगा? कर्पूरी ठाकुर ने कहा कि अपने गांव में रहेगा। बिहार के नाई परिवार में जन्में ठाकुर अखिल भारतीय छात्र संघ में रहे। लोकनायक जयप्रकाश नारायण व समाजवादी चिंतक डॉ. राम मनोहर लोहिया इनके राजनीतिक गुरु थे।

पिछड़ा वर्ग के लिए आरक्षण की पहल

ठाकुर ने बिहार में पिछड़ा वर्ग के लोगों को सरकारी नौकरी में आरक्षण की व्यवस्था कराने की पहल की थी। ठाकुर का जन्म समस्तीपुर जिले के पितौझिया गांव में हुआ था तथा 17 फरवरी 1988 को असामयिक निधन हो गया था। **भारत छोड़ो आंदोलन में गए जेल :** समाजवादी नेता और जननायक के नाम से मशहूर पूर्व मुख्यमंत्री कर्पूरी इनके पिता गोकुल ठाकुर गांव के सीमांत किसान थे और अपने पारंपरिक पेशा, नाई का काम करते थे। भारत छोड़ो आंदोलन के समय कर्पूरी ठाकुर ने करीब ढाई साल जेल में बिताया था।

अयोध्या में स्वर्ग

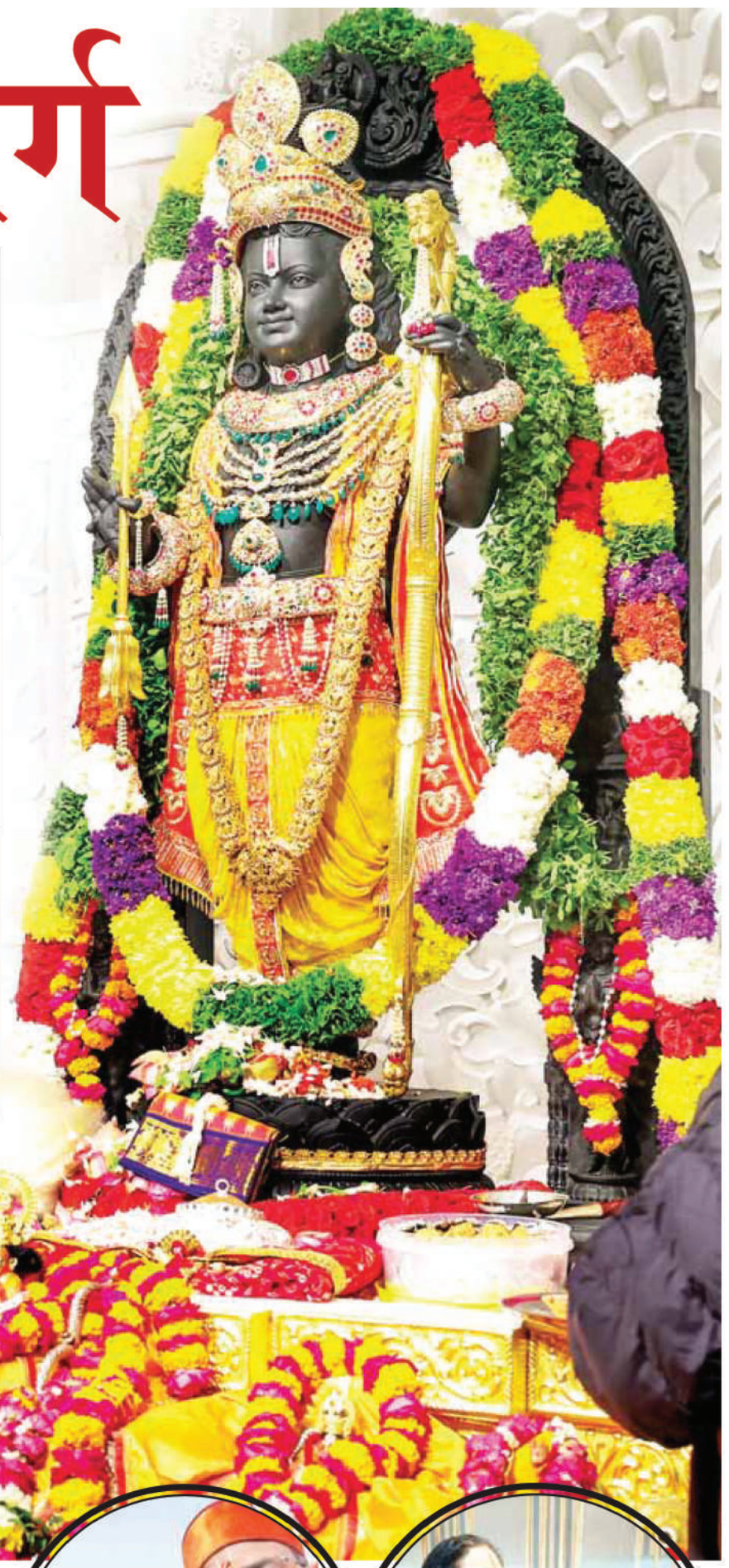

मैं अभी-अभी अयोध्या से वापिस आई हूं, वहां सबका जोश रामभक्ति देखने वाला था। भक्ति का ऐसा समुन्दर देखने को मिला कि हृदय गद्गद हो उठा। लोगों का राम जी को देखने का उत्साह और भक्तिभाव देखते ही बन रहा था। मेरा तो खुशी से रोम-रोम प्रफुल्लित हो उठा। सूर्यवंशी भगवान श्रीराम के आलोक से विश्व के सभी भक्तगण ऊर्जा प्राप्त कर रहे थे। सारी अयोध्या राममय थी। फोन पर सभी फोटो भेज रहे थे।

सबसे बड़ी बात साधु-संतों का जमावड़ा था। उसमें कुछ संत ऐसे थे जो शुरू से इस धार्मिक आंदोलन में शामिल थे। वो नजारा देखने वाला था जब साथ ही बैठी उमा भारती से साध्वी ऋतम्भरा मिलकर रोयीं, क्योंकि उनके संघर्ष का फल मिल रहा था। अजय भाई मिले वो इतने खुश थे कि मैं उनकी खुशी बयान नहीं कर सकती। इस्कॉन वाले लोग भी थे। कमाल का नजारा था। साधु-संत आरएसएस के सभी प्रमुख, विश्व हिन्दू परिषद के सभी प्रमुख, राष्ट्रीय सेविका समिति की मुख्य, एक्टर, क्रिकेटर, गायक, भजन गायक सभी थे। गुरु आनंद मां भी मुझे एयरपोर्ट पर बड़े स्नेह से मिलीं। मधुर भंडारके एयरपोर्ट पर मिले तो वो भी यही कह रहे थे क्या नजारा था। साथ ही अश्विनी जी को याद कर रहे थे कि जब भी अश्विनी जी से मिलते थे वो हमेशा राम मंदिर के बारे में बात करते थे।

इंडिया टूडे की कली पुरी, राहुल सबसे मिलना हुआ। कहीं एकल से जुड़े लोग मिले, कहीं बड़े जज सपत्नीक आए हुए थे। मंदिर को देखकर मालूम पड़ रहा था कि इस राष्ट्र मंदिर को बनाने में कितनी मेहनत, कितने कारीगरों का कमाल था। मैं तो चम्पत राय जी की बहुत कायल हो गई। जिस तरह से उन्होंने सारा मंदिर निर्माण कार्य सम्भाला हुआ था। वहां की मैनेजमेंट आदरणीय राम लाल जी ने सम्भाली हुई थी। 11 बजे से 3 बजे तक खाने-पीने का बहुत अच्छा इंतजाम था। एयरपोर्ट पर ढ़ोल-नगाड़े के साथ स्वागत हुआ। तिलक और माला पहनाई गई।

हम बहुत से लोग इकट्ठे होकर फ्लाइट में गए थे। सारी फ्लाइट में जय श्रीराम के नारे लग रहे थे। यहां तक कि एयरहोस्टेज सभी फ्लाइट में अटैंड करने वाले भी जय श्रीराम के नारे लगा रहे थे। कोई पटके बांट रहा था, कोई पताका, कोई चांदी के सिक्के, कोई खाने का सामान बांट रहा था।

वहां पर इंतजाम बहुत अच्छे थे। सुरक्षा व्यवस्था बहुत कड़ी थी। योगी जी, मोदी जी, मोहन भागवत जी के आध्यात्मिक भाषण बहुत ही अच्छे थे।

अमिताभ बच्चन, अभिषेक बच्चन, अनिल अम्बानी, सुनील मुंजाल, राजन मित्तल, रवि प्रसाद, रामायण में राम का पात्र निभाने वाले अरुण गोविल वहां थे। शहनवाज हुसैन, नकवी, रवि प्रसाद, रोहन जेतली और बांसुरी स्वराज, कार्तिक शर्मा, सुदर्शन चैनल की जैन भी हमारे साथ थीं।

जब मंदिर में राम जी के दर्शन करने की बारी आई, बस वहां गड़बड़ थी। ऐसा लग रहा था कि सभी पहले मैं पहले मैं, दर्शन करना चाहते थे। ऐसी भीड़ मैंने कभी नहीं देखी, परन्तु मेरा ख्याल रखा, मेरी भांजी यानि सुषमा स्वराज जी की बेटी बांसुरी ने जिसने भारी भीड़ में मेरा हाथ नहीं छोड़ा और मैंने और उसने खूब जोर-शोर से जय श्रीराम किया, भजन गाए। इसके अलावा शहनवाज हुसैन ने भी हमारा बहुत ध्यान रखा।

सभी साधु-संत हमारे साथ गा रहे थे। तभी भगवान ने आदित्य का दोस्त मेरी मित्र का बेटा कार्तिक शर्मा भेजा, उसने तो इतना हमारा ख्याल रखा कि पूछो मत। मैंने रोहन को कहा कि आप अपनी मम्मी को दर्शन कराओ। मेरे पास अब कार्तिक और बांसुरी हैं। बांसुरी की मां ने मुझे बहुत प्यार दिया, परन्तु इन क्षणों ने प्यार और मुझे जो सम्मान दिया मेरे पास शब्द नहीं हैं। मुझे भगवान के मंदिर में राम जी के सामने से दर्शन कराए। यह बेटी तो अपनी मां से भी आगे जाएगी।

कार्तिक भी बहुत आगे जाएगा। उसकी पूरी टीम राहुल भी बहुत ध्यान रख रहा था। एस्कॉन के स्वामी जी ने भी बहुत ध्यान रखा। अंत में यही कहूंगी कि मैं यह सब इसलिए बता रही हूं कि सभी वरिष्ठ नागरिक केसरी क्लब के सदस्य चाहते हैं मैं उन्हें वहां लेकर चलूं, तो जरूर लेकर जाऊंगी। वहां स्वर्ग का नजारा है। सोने के दरवाजे देखने लायक हैं। मेरे पास मंदिर की सुन्दरता बयान करने के शब्द कम पड़ रहे हैं। ऐसे लगता है भगवान का महल है, वहां की खुशबू, हवा में फर्क है।

संतों का आशीर्वाद है। मोदी जी की राष्ट्रभक्ति है, देश को विश्व गुरु बनाने का विश्वास है।

50 पार हो गई हैं उम्र तो भी अपने जीवन को दे सकते हैं नई उड़ान

महिलाओं को अपने पैरों पर खड़ा होना आज कल बहुत ही जरूरी हो गया है लेकिन अगर आप परिस्थितियों की वजह से अब तक दूसरों पर निर्भर हैं और आपकी उम्र नए करियर की शुरुआत में बाधा बन रही है तो बता दें कि ये पूरी तरह से आपकी इच्छा शक्ति पर निर्भर करता है।

दरअसल, 50 साल की उम्र में महिलाएं या तो यह सोच कर बैठ जाती हैं कि उन्हें किसी तरह की नौकरी नहीं मिलेगी, अगर वे नौकरी ढूंढने की ठान भी लें तो परिवार उन्हें मोटिवेट नहीं करता। ऐसे में अगर आप खुद को करियर वूमन के रूप में देखना चाहती हैं तो अइये जानते है-

50 की उम्र की महिलाओं के लिए विकल्प

काउंसलर

अगर आप फैमिली, मैरिज, चाइल्ड आदि पर काउंसलिंग की डिग्री ले लें तो आप 50 की उम्र में एक बेहतरीन काउंसलर बनकर अच्छा कमा सकती हैं। काउंसलर की मांग कई सरकारी और निजी संस्थानों में होती है, जहां उम्र की बाधा नहीं होती।

ट्यूटर

अगर आप पहले स्कूल कॉलेज में पढ़ा चुकी हैं तो आप आसानी से 50 की उम्र में भी ट्यूशन पढ़ाकर करियर की अच्छी शुरुआत कर सकती हैं। आप छात्र छात्राओं को ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों तरह से ट्यूशन पढ़ाकर कमा सकती हैं।

फ्रीलांस राइटर

आप अगर लिखना पसंद करती हैं और आपकी लेखिनी भी अच्छी है तो आप 50 की उम्र के बाद राइटिंग फील्ड में अपने नए करियर की शुरुआत कर सकती हैं। आप ट्रैवल, फैमिली, वुमन, मैरिज, कानून या अपने पसंद के किसी भी विषय पर वेबसाइट आदि के लिए लिख सकती हैं और अच्छा कमा सकती हैं।

स्टोरी टेलर

अगर आप खुद को किताबी कीड़ा मानती हैं और आपको पढ़ने के अलावा पढ़कर सुनाने का भी शौक है तो आप बच्चों के लिए अच्छी स्टोरी टेलर बन सकती हैं। स्कूलों या रीडिंग क्लब आदि में स्टोरी टेलर एक बेहतरीन जॉब ऑप्शन है जहां पर छोटे बच्चों को मजेदार तरीके से कहानी की किताबें पढ़कर सुनाई जाती है। आप अपना ब्लॉग या चैनल भी बनाकर फेमस स्टोरी टेलर बन सकती हैं।

रीयल स्टेट एजेंट

बता दें कि रीयल स्टेट एजेंट के रूप में 50 की उम्र से अधिक उम्र की 60 प्रतिशत महिलाएं ही हैं जो इस फील्ड में काम कर रही हैं और बेहतर कमा रही हैं। अगर आप इस फील्ड में हाथ आजमाना चाहती हैं तो ऑनलाइन कोर्स कर खुद का अपडेट भी कर सकती हैं।

पर्सनल शेफ

50 साल से अधिक उम्र की महिलाओं के लिए पर्सनल शेफ बनना एक ऐसा विकल्प है जो उन्हें आर्थिक रूप से काफी मजबूत बना सकता है। अगर आप खाना पकाना पसंद करती हैं तो इस फील्ड में आगे बढ़ सकती हैं। आप चाहें तो अपना कुक बुक लिखकर और मार्केटिंग कर या कुकिंग क्लास और केटरिंग कर भी अच्छा कमा सकती हैं।

अति आक्रामक रवैया नहीं अपनाएंगे : द्रविड़

कोच ने कहा, जरूरत पड़ने पर हमारे बल्लेबाज पीछे नहीं हटेंगे

हैदराबाद (भाषा)। भारतीय टीम के मुख्य कोच राहुल द्रविड़ का मानना है कि उनकी टीम के बल्लेबाज इंग्लैंड के 'बैजबॉल' क्रिकेट का उसी अंदाज में जवाब देते हुए नहीं दिखेंगे लेकिन बृहस्पतिवार से यहां शुरू होने वाली पांच मैचों की टेस्ट सीरीज में अगर ऐसी नौबत आयी तो वे पीछे नहीं हटेंगे। इंग्लैंड के बल्लेबाज अब बहुत ही आक्रामक शैली में खेलते हैं जो उनके मुख्य कोच ब्रेंडन मैकुलम के खेलने के तरीके से जुड़ा है। 'बैज' मैकुलम का उपनाम है।

द्रविड़ ने मंगलवार को यहां कहा कि भारत मैच की परिस्थितियों के मुताबिक अपने खेल का रुख तय करेगा। भारतीय कोच ने कहा, 'मुझे नहीं लगता कि हम अति आक्रामक रुख अपनाएंगे। हम परिस्थितियों के मुताबिक खेलेंगे। हमारी बल्लेबाजी क्रम के शीर्ष छह सात बल्लेबाज में ज्यादातर ऐसे हैं जिनका खेल नैसर्गिक रूप से सकारात्मक खेल है।' उन्होंने कहा, 'ऐसे में हम कुछ बदलाव करने से बचना चाहेंगे। ऐसी भी परिस्थितियां होंगी जब हमें लंबे समय तक बल्लेबाजी करनी होगी।'

द्रविड़ ने कहा, 'मैं हालांकि अपने बल्लेबाजों से अति रक्षात्मक खेल की उम्मीद नहीं कर रहा हूं। द्रविड़ को हालांकि इस बात पर ज्यादा संदेह नहीं है कि इंग्लैंड इस सीरीज में मेजबान टीम के खिलाफ आक्रामक रवैया

इंग्लैंड से टेस्ट सीरीज

अपनाएगा। मुख्य कोच को उम्मीद है कि उनकी टीम घरेलू परिस्थितियों के अपने अनुभव का इस्तेमाल कर इस चुनौती का सकारात्मक जवाब देगी। द्रविड़ ने कहा, 'उन्हें खेलते देखना रोमांचक रहा है और आप जानते हैं कि उन्हें इस तरह खेलने (आक्रामक बल्लेबाजी) में सफलता मिली है। उन्होंने पाकिस्तान में अच्छा प्रदर्शन किया है। उन्होंने न्यूजीलैंड में जीत हासिल की है और एशेज में आस्ट्रेलिया के खिलाफ भी उनकी सीरीज वास्तव में रोमांचक रही है। इसलिए, हमें इसका सम्मान करना होगा।'

भारतीय कोच ने कहा, 'हम जानते हैं कि भारत की परिस्थितियां उनके लिए चुनौतीपूर्ण होगी क्योंकि हमारी टीम इन परिस्थितियों को अच्छे से समझती है। हमारी गेंदबाजी में काफी अनुभव है। हम यह देखने का इंतजार कर रहा हूं कि हमारे खिलाड़ी इन परिस्थितियों से कैसे निपटते है, क्योंकि मुझे पता है कि वे हमें दबाव में लाने की कोशिश करेंगे।'

स्टार बल्लेबाज विराट कोहली निजी कारणों से इंग्लैंड के खिलाफ पहले दो टेस्ट में नहीं खेलेंगे। द्रविड़ ने कहा कि टीम को कोहली की मौजूदगी और अनुभव की कमी खलेगी, लेकिन उनकी अनुपस्थिति किसी अन्य खिलाड़ी के लिए आगे बढ़ने और खुद को साबित करने का मौका है।

मैच जैसे जैसे आगे बढेगा गेंद को टर्न मिलेगा

हैदराबाद (भाषा)। भारत के मुख्य कोच राहुल द्रविड़ इंग्लैंड खेमे को हल्की चेतावनी देते हुए कहा कि बृहस्पतिवार से यहां शुरू होने वाली पांच मैचों की टेस्ट सीरीज के पहले मैच में जैसे-जैसे खेल आगे बढेगा पिच से स्पिनरों को मदद मिलेगी। टेस्ट मैच से दो दिन पहले पिच काफी सूखी दिख रही थी खास कर दोनों छोर के गुड लेंथ क्षेत्र के आस-पास।

द्रविड़ ने संवाददाता सम्मेलन में कहा, 'पिच के बारे में अभी कुछ कहना मुश्किल है। जब मैच शुरू होगा हम तब इसके बारे में पता करेंगे। मैंने जो देखा है उसमें यह पिच अच्छी दिख रही है।' उन्होंने कहा, 'पिच से हालांकि स्पिनरों को टर्न मिलेगा। कितनी जल्दी और कितनी तेजी इस बारे में मैं अभी कुछ नहीं कह सकता हूं। खेल जैसे-जैसे आगे बढेगा निश्चित रूप से गेंद को अधिक टर्न मिलेगी।'

दूसरी ओर इंग्लैंड के तेज गेंदबाज मार्क वुड ने स्वीकार किया कि उनकी टीम ने भी पिच के बारे में चर्चा की है। उन्होंने कहा, 'हमने पिच पर चर्चा की है। हम इसे लेकर ज्यादा चिंतित नहीं है। हमारे समूह में इतना आत्मविश्वास है कि हम कुछ खास कर सकते हैं। हमारे पास स्पिनर है, हमारे पास तेज गेंदबाज हैं, हमारे पास अच्छे बल्लेबाज है और हाल के दिनों में हमारा प्रदर्शन काफी अच्छा रहा है।'

हैदराबाद क्रिकेट संघ के एक अधिकारी ने गोपनीयता की शर्त पर कहा, 'हमारे पास पिच तैयार करने के लिए पर्याप्त समय है। इससे बल्लेबाजों और गेंदबाजों दोनों को मदद मिलेगी, लेकिन जैसे-जैसे मैच आगे बढेगा, इसमें बदलाव आएगा। मुझे लगता है कि खिलाड़ियों के पास इन परिस्थितियों के मुताबिक खुद को ढालने का पर्याप्त अनुभव है।'

पहले मैच में मुंबई इंडियंस की भिड़ंत दिल्ली कैपिटल्स से

नई दिल्ली (भाषा)। मौजूदा चैंपियन मुंबई इंडियंस महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) के दूसरे सत्र के पहले मैच में 23 फरवरी को बेंगलूरू के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में पिछले साल फाइनल में जगह बनाने वाले दिल्ली कैपिटल्स से भिड़ेगा। पूरा सत्र बेंगलूरू और दिल्ली में आयोजित किया जाएगा। यहां अरुण जेटली स्टेडियम 15 और 17 मार्च को क्रमशः एलिमिनेटर और फाइनल की मेजबानी करेगा।

इस साल डब्ल्यूपीएल में कुल 22 मैच होंगे और शीर्ष पर रहने वाली टीम सीधे फाइनल में जाएगी जबकि एलिमिनेटर में दूसरे और तीसरे स्थान पर रहने वाली टीम भिड़ेंगी। भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर के नेतृत्व में मुंबई इंडियंस ने पिछले साल फाइनल में दिल्ली कैपिटल्स को सात विकेट से हराकर पहले डब्ल्यूपीएल का खिताब जीता था।

महिला प्रीमियर लीग कार्यक्रम घोषित

23 फरवरी - मुंबई इंडियंस बनाम दिल्ली कैपिटल्स, बेंगलुरू में
24 फरवरी - रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर बनाम यूपी वारियर्स, बेंगलरू में
25 फरवरी - गुजरात जाइंट्स बनाम मुंबई इंडियंस, बेंगलरू में
26 फरवरी - यूपी वारियर्स बनाम दिल्ली कैपिटल्स, बेंगलरू में
27 फरवरी - रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर बनाम गुजरात जाइंट्स, बेंगलरू में
28 फरवरी - मुंबई इंडियंस बनाम यूपी वारियर्स, बेंगलरू में
29 फरवरी - रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर बनाम दिल्ली कैपिटल्स, बेंगलरू में
01 मार्च - यूपी वारियर्स बनाम गुजरात जाइंट्स, बेंगलरू में
02 मार्च - रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर बनाम मुंबई इंडियन्स, बेंगलरू में
03 मार्च - गुजरात जाइंट्स बनाम दिल्ली कैपिटल्स, बेंगलरू में
04 मार्च - यूपी वारियर्स बनाम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर, बेंगलरू में
05 मार्च - दिल्ली कैपिटल्स बनाम मुंबई इंडियंस, दिल्ली में
06 मार्च - गुजरात जाइंट्स बनाम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर, दिल्ली में
07 मार्च - यूपी वारियर्स बनाम मुंबई इंडियंस, दिल्ली में
08 मार्च - दिल्ली कैपिटल्स बनाम यूपी वारियर्स, दिल्ली में
09 मार्च- मुंबई इंडियंस बनाम गुजरात जाइंट्स, दिल्ली में
10 मार्च - दिल्ली कैपिटल्स बनाम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर, दिल्ली में
11 मार्च - गुजरात जाइंट्स बनाम यूपी वारियर्स, दिल्ली में
12 मार्च - मुंबई इंडियंस बनाम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर, दिल्ली में
13 मार्च - दिल्ली कैपिटल्स बनाम गुजरात जाइंट्स, दिल्ली में
15 मार्च- दिल्ली में एलिमिनेटर
17 मार्च - दिल्ली में फाइनल।

विकेटकीपर के रूप में नहीं खेलेंगे लोकेश राहुल

हैदराबाद (भाषा)। भारतीय मुख्य कोच राहुल द्रविड़ ने कहा कि लोकेश राहुल इंग्लैंड के खिलाफ पांच टेस्ट मैच की सीरीज में विकेटकीपर के रूप में नहीं खेलेंगे और विकेटकीपर की भूमिका के लिए केएस भरत और ध्रुव जुरेल के बीच प्रतिस्पर्धा है।

द्रविड़ ने कहा, 'राहुल इस सीरीज में विकेटकीपर के रूप में नहीं खेलेगा और हम अपने चयन को लेकर स्पष्ट है। हमने दो अन्य विकेटकीपर को चुना है और बेशक राहुल ने दक्षिण अफ्रीका में हमारे लिए शानदार काम किया था और हमारे सीरीज ड्रा कराने में अहम भूमिका निभाई।' उन्होंने कहा, 'लेकिन (इंग्लैंड के खिलाफ) पांच टेस्ट मैच को देखते हुए और इन परिस्थितियों में खेलने को लेकर चयन दो अन्य विकेटकीपर के बीच होगा।' भारतीय पिचों पर रविचंद्रन अश्विन और रविंद्र जडेजा जैसे स्पिनरों के खिलाफ विकेटकीपिग करना किसी विशेषज्ञ के लिए भी आसान नहीं होता।

हैदराबाद : इंग्लैंड के खिलाफ बृहस्पतिवार से शुरू होने वाले पहले टेस्ट की पिच का मुआयना करते भारतीय कोच राहुल द्रविड़ और कप्तान रोहित शर्मा।

'बैजबॉल' से ढेरों विकेट मिल सकते हैं : बुमराह

हैदराबाद (भाषा)। भारत के तेज गेंदबाजी आक्रमण के अगुआ जसप्रीत बुमराह ने कहा है कि इंग्लैंड के अति आक्रामक रवैये 'बैजबॉल' से उन्हें फायदा हो सकता है। पांच मैचों की आगामी टेस्ट सीरीज में उन्हें 'ढेरों' विकेट मिल सकते हैंह। न्यूजीलैंड के कोच ब्रेंडन मैकुलम और कप्तान बेन स्टोक्स के नेतृत्व में इंग्लैंड की आक्रामक होकर खेलने की रणनीति 'बैजबॉल' की कड़ी परीक्षा होगी जब टीम सात सप्ताह के दौरे पर भारत का सामना करेगी। सीरीज का पहला टेस्ट बृहस्पतिवार से यहां खेला जाना है।

बुमराह ने कहा, 'एक गेंदबाज के रूप में मुझे लगता है कि यह मुझे खेल में बनाए रखेगा। अगर वे ऐसा करने जा रहे हैं, इतनी तेजी से खेल रहे हैं तो वे मुझे थकाएंगे नहीं, मुझे ढेर सारे विकेट मिल सकते हैं। मैं हमेशा इस बारे में सोचता हूं मैं कैसे चीजों का इस्तेमाल अपने फायदे के लिए कर सकता हूं।' भारत की कप्तानी के संदर्भ में इस 36 वर्षीय तेज गेंदबाज ने कहा, 'मैंने एक मैच में ऐसा किया और यह काफी सम्मान की बात थी।' आस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाजी कप्तान के रूप में शानदार प्रदर्शन करने वाले पैट कमिस से प्रेरणा लेते हुए बुमराह मौका मिलने पर भविष्य में नेतृत्व की जिम्मेदारी संभालने के लिए तैयार हैं।'

संक्षिप्त खबरें

इंग्लैंड लॉयन्स के खिलाफ दूसरे मैच के लिए रिंकू सिंह भारत 'ए' टीम में

नई दिल्ली। सीमित ओवरों के विशेषज्ञ बल्लेबाज रिंकू सिंह को इंग्लैंड लॉयन्स के खिलाफ अहमदाबाद में बुधवार से शुरू होने वाले दूसरे चार दिवसीय मैच के लिए मंगलवार को भारत 'ए' टीम में शामिल किया गया। टी-20 अंतरराष्ट्रीय में अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी की झलक दिखा चुके मध्यक्रम के बल्लेबाज रिंकू ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सीरीज में वनडे अंतरराष्ट्रीय प्रारूप में पदार्पण किया था। उत्तर प्रदेश के बाएं हाथ के इस खिलाड़ी ने 44 प्रथम श्रेणी मैच खेले हैं जिसमें 57.57 की औसत से 3109 रन बनाए हैं। भारत 'ए' टीम : अभिमन्यु ईश्वरन (कप्तान), साई सुदर्शन, रजत पाटीदार, सरफराज खान, तिलक वर्मा, कुमार कुशाग्र, वाशिंगटन सुंदर, सौरभ कुमार, अर्शदीप सिह, तुषार देशपांडे, विदवथ कावेरप्पा, उपेंद्र यादव, आकाश दीप, यश दयाल और रिंकू सिंह।

देर रात नशा करने से बेहोश हो गए थे मैक्सवेल : रिपोर्ट

सिडनी। हरफनमौला ग्लेन मैक्सवेल पिछले सप्ताह एडीलेड में देर रात शराब पीने के बाद बेहोश हो गए थे और उठाने पर भी नहीं उठे जिसके बाद उन्हें अस्पताल ले जाना पड़ा। एक रिपोर्ट में यह खुलासा किया गया। पहले रिपोर्ट में इसका जिक्र नहीं था कि मैक्सवेल को अस्पताल क्यों ले जाना पड़ा लेकिन सिडनी मार्निंग हेराल्ड की एक रिपोर्ट में कहा गया कि वह बेहोश हो गए थे और रास्ते में ही होश में आए। यह घटना उस समय की है जब मैक्सवेल एक कान्सर्ट में थे। रिपोर्ट में कई सूत्रों के हवाले से कहा गया, 'शो के दौरान मैक्सवेल की भीड़ में कई लोगों के साथ तस्वीरें आई। उसके बाद वह और उनके दोस्त स्टेज के पीछे जाकर शराब पीने और गाने लगे। फिर दूसरे दोस्त भी कमरे में आए।' इसमें कहा गया, 'इसी दौरान मैक्सवेल बेहोश हो गए और उठाने पर भी नहीं उठे।'

नार्थम्पटनशर काउंटी के लिए खेलेंगे करुण नायर

नॉर्थम्पटन। करुण नायर इस सत्र में फिर इंग्लिश काउंटी चैंपियनशिप में नॉर्थम्पटनशर के लिए खेलेंगे। 32 वर्ष के नायर इस टीम के लिए सात काउंटी मैच खेलेंगे। उन्होंने पिछले सत्र में डिविजन वन में आखिरी तीन मैच खेले थे। टीम इस साल डिविजन टू में खिसक गई है। नायर ने क्लब द्वारा जारी एक विज्ञप्ति में कहा, 'मैं काउंटी चैंपियनशिप में एक बार फिर नॉर्थम्पटनशर के लिए खेलकर उत्साहित हूं। मैं कोच और कप्तान को इस मौके के लिए धन्यवाद देना चाहता हूं।'

विदेशी लीग के लिए एनओसी न मिलने पर

केंद्रीय अनुबंध खत्म करने पर विचार कर रहे हैं पाक क्रिकेटर

लाहौर (भाषा)। कुछ शीर्ष क्रिकेटर पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के साथ अपने केंद्रीय अनुबंध को समाप्त करने पर विचार कर रहे हैं क्योंकि कुछ खिलाड़ियों को विदेशी टी-20 लीग में खेलने के लिए एनओसी (अनापत्ति प्रमाण पत्र) देने से इनकार कर दिया गया था।

टीम प्रबंधन के सूत्रों के अनुसार अधिकतर केंद्रीय अनुबंधित खिलाड़ी राष्ट्रीय प्रतिबद्धताओं से मुक्त होने के बावजूद उन्हें विदेशी लीग में खेलने की अनुमति नहीं देने के कारण बोर्ड से नाराज हैं।

एक सूत्र ने कहा, 'मामला तूल पकड़ चुका है क्योंकि हाल ही में बोर्ड ने जमान खान, फखर जमां, मुहम्मद हारिस (सभी केंद्रीय अनुबंधित) सहित कुछ खिलाड़ियों को बांग्लादेश प्रीमियर लीग में खेलने के लिए एनओसी देने से इस आधार पर इनकार कर दिया था कि वे पहले ही पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) के अलावा दो लीग खेल चुके हैं।'

उन्होंने कहा कि जका अशरफ के कार्यकाल के दौरान तय की गई मौजूदा पीसीबी नीति के तहत केंद्रीय अनुबंधित खिलाड़ियों को पीएसएल के अलावा दो विदेशी टी-20 लीग में खेलने की अनुमति दी जाएगी।

सूत्र ने कहा, 'लेकिन जो खिलाड़ी केंद्रीय अनुबंधित नहीं हैं उनके लिए ऐसी कोई बाध्यता नहीं है जब तक कि राष्ट्रीय टीम में उनकी जरूरत नहीं हो।' अधिकांश अनुबंधित खिलाड़ियों का मानना है कि जब एनओसी जारी करने की बात आती है तो बोर्ड दोहरी नीति अपना रहा है।

शुभमन और दीप्ति बने 2023 के सर्वश्रेष्ठ भारतीय खिलाड़ी

मुंबई (वार्ता)। बीसीसीआई ने चार वर्ष के अंतराल के बाद घरेलू और राष्ट्रीय स्तर के सर्वश्रेष्ठ खिलाडियों को पुरस्कारों से सम्मानित किया। बीसीसीआई ने मंगलवार को आयोजित कार्यक्रम में इन पुरस्कारों को वितरित किया। भारतीय टीम पुरुष टीम के तूफानी बल्लेबाज शुभमन गिल और महिला वर्ग में दीप्ति शर्मा को वर्ष 2023 के लिए देश का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया।

बीसीसीआई ने महिला खिलाड़ियों में दीप्ति शर्मा को 2023 की सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना। वहीं मोहम्मद शमी को 2019-20, रविचंद्रन अश्विन को 2020-21 और जसप्रीत बुमराह को 2021-22 के लिए यह पुरस्कार दिया गया। रवि शास्त्री को भी कर्नल सीएके नायडू लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। महान खिलाड़ी फारूक इंजीनियर को कर्नल सीएके नायडू लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड दिया गया।

हैदराबाद : भारत के खिलाफ शुरू होने वाली टेस्ट सीरीज से पहले अभ्यास सत्र के दौरान आराम फरमाते इंग्लैंड के खिलाड़ी।

मेलबर्न : आस्ट्रेलियन ओपन टेनिस के क्वार्टर फाइनल मुकाबले में मार्ता कोस्तुयुक के खिलाफ रिटर्न लगातीं अमेरिका की कोका।

नोवाक जोकोविच और कोको गॉफ सेमीफाइनल में

मेलबर्न (एपी)। नोवाक जोकोविच ने टेलर फ्रिट्ज को करीब चार घंटे तक चले मैराथन मुकाबले में हराकर 11वीं बार आस्ट्रेलियन ओपन के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया। जोकोविच ने यह मुकाबला 7-6, 4-6, 6-2, 6-3 से जीता।

आस्ट्रेलियन ओपन
- फ्रिट्ज को हराकर जोकोविच 11वीं बार अंतिम चार में

वहीं महिला वर्ग में अमेरिका की चौथी वरीय कोको गॉफ ने मार्ता कोस्तयुक को तीन सेट चले कड़े मुकाबले में 7-6, 6-7, 6-2 से हराकर टूर्नामेंट के अंतिम चार में जगह बनाई जहां उनका सामना मौजूदा चैंपिनय एरिना सबालेंका से होगा।

नोवाक जोकोविच जितनी बार भी यहां क्वार्टर फाइनल में पहुंचे, उतनी बार अपराजेय रहे। 24 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन ने मेलबर्न पार्क पर सभी दस सेमीफाइनल और फाइनल जीते हैं। वह 48वीं बार ग्रैंड स्लैम सेमीफाइनल में पहुंचे हैं। जहां उनका सामना चौथी वरीयता प्राप्त यानिक सिनेर या पांचवीं वरीयता प्राप्त आंद्रेइ रूबलेव से होगा। जोकोविच ने अब तक एक को छोड़कर सभी मुकाबलों में फ्रिट्ज को सीधे सेटों में हराया था। आस्ट्रेलिया में 2021 में मुकाबला पांच सेटों तक खिंचा था।

महिला वर्ग में चौथी वरीय कोको गॉफ ने पहले सेट में 1-5 से पिछड़ने के बाद जोरदार वापसी करते हुए दो सेट प्वाइंट बचाए और फिर सेट जीत लिया। उन्होंने दूसरे सेट गंवाया लेकिन फिर तीसरा और निर्णायक सेट जीतकर तीन घंटे और आठ मिनट में जीत दर्ज की। दूसरे मैच में सबालेंका ने नौवीं वरीयता प्राप्त बारबरा क्रेइसिकोवा को 6-2, 6-3 से हराया।

दिल्ली एफसी ने रेंजर्स स्पोर्ट्स को हराया

नई दिल्ली। आरिस खान, गायरी और तरुण स्लाथिया के गोलों से दिल्ली एफसी ने रेंजर्स स्पोर्ट्स क्लब को 3-0 से हराकर डीएसए प्रीमियर लीग में पूरे अंक हासिल किए। अंबेडकर स्टेडियम पर खेले गए औसत दर्जे के मुकाबले में रेंजर्स ने शुरुआती मिनटों में दमदार प्रदर्शन किया लेकिन पिछड़ने के बाद रेंजर्स के खेल में पैनेपन की कमी नजर आई।

मुकाबले में दिल्ली एफसी अपने पूरे दमखम के साथ मैदान में उतरी। पिछले मैचों में गढ़वाल हीरोज और रॉयल रेंजर्स के खिलाफ आधी अधूरी टीम उतरने वाली दिल्ली एफसी आज पूरी रंगत में नजर आई। लेकिन रेंजर्स ने डट कर मुकाबला किया। आज की जीत से दिल्ली एफसी ने 14 मैचों में 21 अंक जुटा लिए हैं लेकिन खिताबी दौड़ से लगभग बाहर है। इतने ही मैचों में रेंजर्स के मात्र सात अंक हैं।

मानव, अयहिका जीते

मापुसा (गोवा)। भारत के मानव ठक्कर और अयहिका मुखर्जी ने मंगलवार को यहां आसान जीत के साथ अपने अभियान की शुरुआत की जबकि अनुभवी शरत कमल डब्ल्यूटीटी स्टार कंटेंडर में एकल मुख्य ड्रा के लिए क्वालीफाई करने में असफल रहे। मानव ने अंशुमान अग्रवाल को 3-0 (11-7, 11-4, 11-4) से हराकर पुरुष एकल क्वालीफाइंग राउंड तीन में प्रवेश किया।

महिला एकल वर्ग में अयहिका मुखर्जी ने क्वालीफाइंग राउंड दो में सयाली वानी को 3-0 (11-9, 11-2, 12-10) से हराया, जबकि पोयमंती बैस्या ने क्वालीफाइंग राउंड एक में पृथा प्रिया वर्तिकर को 3-0 (12-10, 11-7 , 11-7) से हराया। शरत विश्व दक्षिण कोरिया के कांग डोंगसू से 2-3 (11-6, 12-10, 4-11, 15-17, 3-11) से हार गए।

विराट व वरदान चमके

नई दिल्ली। मैन ऑफ द मैच विराट त्यागी (75 रन) की बेहतरीन बल्लेबाजी और वरदान बहल (चार विकेट) की घातक गेंदबाजी के दम पर टॉस क्रिकेट अकादमी ने रोहतक रोड जिमखाना के खिलाफ दूसरे केके तिवारी मेमोरियल क्रिकेट टूर्नामेंट के लीग मैच में चार विकेट से जीत हासिल की। **संक्षिप्त स्कोर** - रोहतक रोड जिमखाना : 38.2 ओवर में 133/10 (नमन जी मित्तल 48 रन, लक्ष्य सेखरी 33 रन, वरदान बहल 4/45, राहुल 2/5)। टॉस क्रिकेट अकादमी : 26.3 ओवर में 136/6 (विराट त्यागी 75 रन, प्रथम 2/17)।

सीरिया से हारकर भारत एशियाई कप फुटबाल से बाहर

अल खोर (कतर) (भाषा)। एशियाई कप फुटबॉल के नॉकआउट चरण में पहुंचने का भारत का इंतजार और लंबा हो गया जब आखिरी ग्रुप मैच में सीरिया से 0-1 से हारकर टीम टूर्नामेंट से बाहर हो गई। स्थानापन्न उमर खरिबिन ने 76वें मिनट में गोल कर सीरिया को नॉकआउट की दौड़ में बनाए रखा है।

भारत चार टीमों के ग्रुप बी में तीनों मैच हारकर और एक भी गोल किए बिना आखिरी स्थान पर रहा। यह मैच करिश्माई कप्तान सुनील छेत्री का आखिरी एशियाई कप भी था जो 2011 और 2019 में भी खेल चुके हैं। छेत्री ने दोनों बार दो-दो गोल किए थे। भारत इससे पहले भी 1984, 2011 और 2019 में नॉकआउट में जगह नहीं बना सका था। भारत 1964 में उपविजेता रहा था जब सिर्फ चार टीमों ने इसमें भाग लिया था।

भारतीय टीम एक बार फिर निराशाजनक प्रदर्शन करके लौटेगी। भारत ने 2019 में थाईलैंड के खिलाफ एक मैच 4-1 से जीता था लेकिन इस बार उसकी झोली में एक भी अंक नहीं आया। भारत को आस्ट्रेलिया ने 2-0 और उजबेकिस्तान ने 3-0 से हराया। मैच के शुरुआती मिनटों में भारत ने आक्रामक खेल दिखाया और महेश नाओरेम तथा लालियांजुआला छांगटे ने कुछ अच्छे मूव बनाए लेकिन गोल नहीं कर सके। पहले हाफ के आखिर तक सीरियाई टीम ने लय पकड़ ली और भारत को मैच में वापसी का मौका ही नहीं दिया।

मैच के सातवें मिनट में पाब्लो साबाग ने कॉर्नर किक पर हेडर लगाया जिसे गोललाइन पर गोलकीपर गुरप्रीत सिह संधू ने बचा लिया। इसके बाद इब्राहिम हेसार का निशाना चूका लेकिन रिबाउंड पर सीरियाई खिलाड़ी एजेकील हैम के शॉट को शुभाशीष बोस ने मुस्तैदी से बचाया। पहले हाफ के अतिरिक्त समय में छेत्री ने दूर से एक शॉट लगाया लेकिन निशाना सही नहीं था। भारत ने पहले हाफ में तीन बार हमले बोले जबकि सीरिया ने एक दर्जन हमले गोल पर किए।

दूसरे हाफ के पहले ही मिनट में भारत को झटका लगा जब अनुभवी डिफेंडर संदेश झिगन को चोट के कारण बाहर जाना पड़ा और निखिल पुजारी ने उनकी जगह ली। महेश नाओरेम को उदांता सिह की जगह उतारा गया। आखिरी 20 मिनट बाकी रहते सीरिया ने जमकर हमले बोले और खरिबिन ने गोल करके टीम को बढ़त दिला दी जो आखिर तक बनी रही।

लोक साहित्य

डा. मृणालिका ओझा

छत्तीसगढ़ी साहित्य में शिष्ट कथा

छत्तीसगढ़ी साहित्य में शिष्ट कथा, लोक कथा के ठीक विपरीत होती है। कथाकार, कथा वस्तु प्रस्तुत करने के पूर्व अपने पाठक या श्रोता की मानसिकता का ख्याल रखता है, उसकी मनोभूमि को तैयार करता है। इसके लिए वह कभी भूमिका, कभी प्रत्यक्ष घटनाओं का और कभी अन्य किसी माध्यम का सहारा लेता है। वह पाठक के मानस पर देश काल वातावरण का सजीव चित्र प्रस्तुत करने का प्रयास करता है। पाठक या श्रोता को अपनी इस विचार यात्रा में बिल्कुल अपने साथ-साथ रखना चाहता है। वह इस दिशा में सतत प्रयत्नशील होता है कि जिन अनुभूतियों में स्वयं तरंगायित हो रहा है, श्रोता या पाठक भी उन्हीं भाव तरंगों में डूबता उतराता चले। इसके लिए वह शिष्ट कथाओं में विशिष्ट शब्द योजना और वाक्य विन्यास का ध्यान रखता है। कभी कभी सहायक घटनाओं व कथावस्तु से संबंधित संपूर्ण दृश्य को पाठक या श्रोता के सामने ज्यों का त्यों दृश्यमान कर देता है।

पुस्तक समीक्षा

छन्द बिरवा

कृति के नाव
छन्द बिरवा

कृतिकार
चोवाराम 'बादल'

प्रकाशक
आशु प्रकाशन रायपुर

समीक्षक
कमलेश यादव

मूल्य
एक सौ पचास रूपिया

छत्तीसगढ़ में छंद विधा म बड़ लेखन होवत हे। वोमा सधे हुए लेखक चोवाराम जी आय। आप मन लगातार कतको छंद म अपन कलम चवात हौ। अपन ऐ कृति छंद बिरवा म अइसने आने आने छंद म लिखके छत्तीसगढ़ी शब्दकोष ल घलो समृद्ध करे के बूता करत हव। देखन तुंहर ए कुंडलिया छंद ला-

बादर पानी जाड़ हा, अबड़े कभू बिटोय।
खड़े फसल पाला परे, देखत आत्मा रोय।
देखत आत्मा रोय, बाढ़गे करजा हावय।
परय नहीं जी नींद, अन्न पानी नइ भावय।
बड़ सुघघ्र सुघ्घर रचना आपके कृति म समाहित हे।
आपके ऐ संग्रह ह नवा छंद लिखैय्या मन ल रद्दा जरूर देखाही।

थानूराम बंसोर को भारत छोड़ो आंदोलन में भाग लेने के कारण 20 वर्ष की अल्पायु में 1942 में अंग्रेजी हुकूमत द्वारा भारतीय सुरक्षा अधिनियम के तहत गिरफ्तार कर लिए गए, जिसमें छः माह की सजा हुई। रायपुर जेल में कैदियों के कपड़े पहनने के विरोध में आंदोलन कर कई दिनों तक निर्वस्त्र रहे।

धमतरी अंचल के स्वतंत्रता सेनानी

थानूराम बंसोर

थानूराम बंसोर का जन्म एक गरीब कंडरा परिवार में सन 1922 में धमतरी अंचल के ग्राम खिसोरा में हुआ था। आपका रूढ़विादी परिवार बांस से टोकरी बनाने का व्यवसाय कर जीवन यापन करते थे। आप गरीबी के कारण चौथी तक ही अध्ययन कर पाए। आपके पूर्वज छत्तीसगढ़ी नाचा के अच्छे कलाकार थे। इस कारण इसका असर आप पर भी दिखने लगा। आप अपने सहयोगियों से प्रेरित होकर स्वतंत्रता संग्राम आंदोलन में भाग लेने लगे। पं. सुंदरलाल शर्मा के साथ आप आजादी पर लिखित लोकगीतों को गाकर आजादी का अलख जगाने लगे। भारत छोड़ो आंदोलन में भाग लेने के कारण 20 वर्ष की अल्पायु में 1942 में अंग्रेजी हुकूमत द्वारा भारतीय सुरक्षा अधिनियम के तहत गिरफ्तार कर लिए गए, जिसमें छः माह की सजा हुई। रायपुर जेल में कैदियों के कपड़े पहनने के विरोध में आंदोलन कर कई दिनों तक निर्वस्त्र रहे। जेल से छूटने के बाद गांधीजी के आव्हान पर समाज और देश सेवा के लिए अपने को पूरी तरह से समर्पित कर दिए। आपको शासन द्वारा 15 अगस्त 1997 को स्वतंत्रता की 50वीं वर्षगांठ के अवसर पर ताम्रपत्र से सम्मानित किया गया। आप 'देहात दीपक' नाट्य संस्था के संचालक थे। अच्छे गायक के रूप में भी आपकी पहचान अंचल में बनी। 2006 को आप इस संसार को अलविदा हो गए।

दिवस विशेषः ललित पटेल

पर्यटकों को आकर्षित करते ठाड़पानी की छटा सुहानी

पर्यटनः डा. पीसी लाल यादव

छत्तीसगढ़ राज्य का नवगठित जिला खैरागढ़-छुईखदान-गंडई जिले का पश्चिमी अंतिम छोर साल्हेवारा जहां से मध्यप्रदेश की सीमा जुड़ी हुई है, जंगलों, पहाड़ों व जलप्रपातों को अपने आंचल में समेटे हुए है। इसमें ठाड़पानी जलप्रपात सरई पतेरा यहां प्रमुख आकर्षण के केंद्र हैं जो साल्हेवारा तहसील मुख्यालय से लगभग 20 कि.मी. दूर सरईपतेरा गांव के पास स्थित है। आने-जाने के लिए सरईपतेरा तक 14 कि.मी. पक्की सड़क फिर ठाड़पानी तक 6 कि.मी.की कच्ची सड़क है। ठाड़पानी का जलप्रपात लगभग 100 फुट की ऊंचाई से गिरता है। 'ठाड़' अर्थात सीधा पानी गिरने के कारण इसका नाम ठाड़पानी पड़ा। पिपराही नाला व केकरापानी जलस्रोत से निकलने वाला पानी बरसाती नाले के रूप में यहां बहता है, जिससे यहां जलप्रपात का निर्माण होता है। ठाड़पानी झरने का प्राकृतिक स्वर संगीत पैदा कर हृदय को शांति प्रदान करता है। चारों ओर घने जंगल हैं। झरने का आनंद लेने के लिए बड़ी सावधानी से नीचे उतरना पड़ता है। ऊपरी भाग में एक प्राकृतिक गुफा है जहां कंटीले पंख वाले सैंया कुकरी (साही) मिलते हैं। ठाड़पानी जलप्रपात से झरने वाला जल अमरपुर नदी में जाकर मिलता है जो इस क्षेत्र की प्रमुख सुरही नदी की सहायक नदी है। साजा, बीजा, हर्रा, बहेरा, सलिहा, मोन्दे, सागौन, चार, तेंदू आदि पेड़ों से आच्छादित यह जंगल मन को असीम शांति प्रदान करता है।

महाकोसल और दंडकारण्य

पौराणिकः डा. सत्यभामा आडिल

राजा दशरथ को संतान की प्राप्ति नहीं होने के कारण चिंता होने लगी, कि इतने विशाल साम्राज्य का उत्तराधिकारी कौन बनेगा? फलस्वरूप उन्होंने ऋषियों से मंत्रणा की। महामंत्री सुमंत ने पुत्रेष्टि यज्ञ करने की सलाह दी। वशिष्ठ जी से राजा दशरथ ने यज्ञ की तैयारी के लिए अनुरोध किया। मुनि वशिष्ठ ने महाकोसल के राजाओं को बुलाने का आदेश दिया। उस समय राजा दशरथ संतान के लिए अश्वमेघ यज्ञ व पुत्रेष्टि यज्ञ एक साथ संपन्न करने के लिए मुनि वशिष्ठ ने श्रृंगी ऋषि को आमंत्रित किया, क्योंकि उस काल में वही सुयोग्य पुरोहित हो सकते थे। समस्त प्रदेश के राजाओं के नाम के साथ मुनि वशिष्ठ ने विशेष रूप से कोसल नरेश भानुमंत को भी आमंत्रित करते हुए कहा-

तथा कोसलराजानं भानुमंत सुसंस्कृतम।
मगधाधिपति शुरू सर्वशास्त्र निटदम।।

इस यज्ञ में दीक्षा लेते समय महारानी कौशल्या को विशेष महत्व दिया गया। ऋषियों ने समस्त अश्वों को अलग समूहों में बांध दिए थे। राजा दशरथ का उत्तम अश्वरत्न भी वही बांधा गया था। वाल्मीकि रामायण में प्रसंग है-

कौशल्या त्वं हयं तत्र परिचर्य समन्ततः।
कृपाणैर्विश शारैन त्रिमीः परमया मुदा।।

कला जगत

डा. डी. पी. देशमुख

घुंघची नृत्य की बेजोड़ कलाकारों में रहीं पदमावती

छत्तीसगढ़ी लोकनाट्य और नाचा की सुप्रसिद्ध कलाकार का जन्म 7 अगस्त 1953 को सिकोलाभाठा दुर्ग में हुआ था। आपका पूरा परिवार लोक कला में पारंगत होने कारण आपको लोक कला विरासत में मिली। आपने जगन्नाथ भट्ट से शास्त्रीय संगीत के माध्यम से नृत्य का प्रशिक्षण प्राप्त किए। आपके पति यानेन्द्र भी कलाकार थे। आप अंचल के प्रथम लोक कला मंच चंदैनी गोंदा में अग्र पंक्ति की नृत्यांगना रहीं। लोक नाट्य देवार डेरा की नृत्यांगना समूह में बासंती तथा माया तथा किस्मत बाई के नृत्यों की भावभंगिकाओं के साथ आपने लोक नृत्यों को काफी ऊंचाई दी। आप घुंघची (उल्टा घूमकर) नृत्य में विशेष पारंगत थीं। आपने अंचल के कोने-कोने में अपनी प्रस्तुति दी, साथ ही 18 वर्षों तक देश के विभिन्न प्रदेशों में अपनी नृत्य कला का प्रदर्शन किए। आपके नृत्य कला का अनुसरण आज भी लोक कलाकार करते रहते हैं।

आजादी की लड़ाई में महन्तों का भी योगदान

सुरता

लखनलाल आडिल

आजादी की लड़ाई में मंदिर के महन्तों ने भी भाग लिया था। महन्त लक्ष्मीनारायण दास रायपुर निवासी थे, आप अंग्रेजों के विरूद्ध खुलकर काम करते थे। पाटन द्वारिकाधीश मंदिर के महन्त गुलाबदासदास ओजस्वी वक्ता थे। अंग्रेजों को छूट गाली देते थे। आप निरक्षर थे पर हिन्दी, संस्कृत, अंग्रेजी और उर्दू के जानकार थे वे महन्त नारायण दास को गद्दी पर बिठाए जो मोदहापारा रायपुर के निवासी थे। वे राष्ट्रीय विचारक थे। आपने 1930 में विदेशी वस्तु बहिष्कार आंदोलन में भाग लिए थे। इसके फलस्वरूप आपको एक महीने जेल में रहना पड़ा। आप 1942 के आंदोलन में रायपुर से तथा आपकी धर्म पत्नी रूपा बाई राजनांदगांव से गिरफ्तार हुई। रायपुर जेल में जगह न होने के कारण आप दोनों को संबलपुर जेल भेजा गया। वहां भी जगह न होने के कारण उड़ीसा के कटक भेजे गए और वहीं 9 माह जेल की सजा काटकर दोनों पाटन आए। इसके साथ ही अनेक महन्तों का योगदान आजादी की लड़ाई में रहा, जिन्हें भुलाया नहीं जा सकता।

जिला पुरुष चिकित्सालय में हुआ दो दिवसीय एड्स जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। ह्यूमन इम्यूनो डेफिशियेंसी वायरस यानि एचआईवी - एक्वायर्ड इम्यून डेफिशियेंसी सिंड्रोम के रोगियों को उपचार व पोषण के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से गोरा बाजार स्थित महर्षि विश्वामित्र स्वशासी राजकीय मेडिकल कालेज से संबद्ध जिला पुरुष चिकित्सालय सभागार में मंगलवार व बुधवार को दो दिवसीय जन जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। जिलाधिकारी आर्यका अखौरी के निर्देशन व मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. देश दीपक पाल, मेडिकल कॉलेज के प्रधानाचार्य प्रो. डॉ. आनंद मिश्रा तथा मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. राजेश कुमार सिंह* के नेतृत्व में आयोजित शिविर में एचआईवी रोगियों को सामाजिक सुरक्षा एवं सरकारी योजनाओं से सम्बन्धित जानकारी दी गई।

इस दौरान जिला एचआईवी एड्स नियंत्रण अधिकारी डॉ. मनोज कुमार सिंह ने रोगियों को समय से दवा का सेवन करने और पौष्टिक आहार लेने के बारे में विस्तृत परामर्श दिया। उन्होंने कहा कि अपने आस पास का वातावरण स्वच्छ रखें, साफ सफाई बनाए रखें, बार-बार हाथ धोएं और बीमार लोगों से दूरी बनाकर रखें। एचआईवी का निदान होने के बाद डॉक्टर के पास नियमित रूप से चेकअप कराने जाएं।कोई भी दवा लेने से पहले डॉक्टर से परामर्श लें , क्योंकि अपने आप किसी दवा के सेवन से साइड इफेक्ट का खतरा हो सकता है। प्रधानाचार्य प्रो डॉ आनंद मिश्रा ने कहा कि हम सभी लोगों की जिम्मेदारी है कि अपनी सुरक्षा के साथ अपने परिवार, समाज व देश में रह रहे सभी लोगों की सुरक्षा करें और नैतिक जिम्मेदारी के कारण एड्स को समाज में फैलने से रोकें। सुरक्षित तरीकों के प्रयोग से हम इसके प्रसार को बहुत आसानी से रोक सकते हैं। एचआईवी एड्स के रोगियों से किसी भी प्रकार का भेदभाव नहीं करना चाहिए, उन्हें भी समानता का अधिकार मिलना चाहिए।

जिला पुरुष चिकित्सालय स्थित एंटी रेट्रोवायरल थेरेपी (एङ्कआरङ्कटीङ्क) सेन्टर की काउंसलर अंजू सिंह ने एचआईवी एड्स अधिनियम के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि एचआईवी ग्रसित रोगियों की सुरक्षा के लिए गोपनीयता बनाये रखना हम सभी की जिम्मेदारी है। अगर इसका कोई उल्लंघन करता है तो उसे तीन महीने से लेकर दो वर्ष की सजा हो सकती है या अधिकतम एक लाख रुपए तक का जुमार्ना या दोनों सजा हो सकती हैं। इसके साथ ही उन्होंने डायल 1097 के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि अगर किसी भी रोगी को एं०आर०टी० सेन्टर पर किसी भी तरह की समस्या हो तो तुरन्त 1097 पर कॉल करके अवगत कराएं ताकि जल्द से जल्द उनकी समस्या का निराकरण किया जा सके। इस मौके पर स्वयं सेवी संस्थाओं - अहाना, ज्योति ग्रामीण संस्था, केयर एंड सपोर्टर एवं सुभिक्षा के सभी कर्मचारियों को प्रशस्ति पत्र व स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में जिला प्रोबेशन अधिकारी, एसीएमओ डॉ. रामकुमार, एनटीईपी के डीपीसी डॉ. मिथिलेश कुमार सिंह, पीपीएम समन्वयक अनुराग कुमार पाण्डेय, एआरटी सेन्टर की काउंसलर संगीता सिंह एवं एआरटी के सर्वेश कुमार, राहुल पांडेय, सौरभ कुमार, राहुल मौर्या, वैभव विशाल, एसटीआई काउंसलर, आईसीटीसी, पीपीसीटीसी काउंसलर, अहाना, सीएससी तथा सुभिक्षा के सभी कर्मचारी उपस्थित रहे।

अविनाश ने बढ़ाया जिले का सम्मान यूपीपीसीएस परीक्षा में सफल होकर बना डिप्टी जेलर

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। भावारकोल क्षेत्र के ग्राम पंचायत सकोहा उर्फ भदौरा निवासी अविनाश सिंह कुशवाहा पुत्र वंशनारायण सिंह कुशवाहा ने कल शाम घोषित यूपी पी सी एस-2023 की परीक्षा में डिप्टी जेलर के पद पर चयनित होकर क्षेत्र और जनपद के नाम को रौशन किया है। डिप्टी जेलर के पद पर चयनित अविनाश सिंह कुशवाहा ने बताया कि हाईस्कूल और इंटरमीडिएट की परीक्षा क्रमशः सन- 2012और 2014 में आर एस कनवेंट स्कूल वाराणसी और बीटेक इन्फोर्मेशन टेक्नोलॉजी राजकीय इंजीनियरिंग कॉलेज बिजनौर से सन- 2019मे किया। ठेठ देहात की माटी में जन्मा यह प्रतिभावान छात्र तीसरे प्रयास में डिप्टी जेलर के पद हासिल किया है और उसने बताया कि आगे भी कठिन परिश्रम कर आईएएस अफसर बनकर देश व समाज सेवा करने का है। अविनाश की इस उपलब्धि पर स्थानीय क्षेत्र में खुशी छायी हुई है और उसे बधाई देते देने वालों का तांता लगा हुआ है।

प्रमुख समाजसेवी काशी रत्न सरदार कुलदीप सिंह को पूर्वांचल रत्न से किया गया विभूषित

प्रखर रामनगर वाराणसी। प्रमुख समाजसेवी काशी रत्न सरदार कुलदीप सिंह को पूर्वांचल रत्न से किया गया विभूषित...अयोध्या जी में जिस दिन श्री प्रभू राम जी के भव्य मंदिर में बालक रुप में सुशोभित किया गया पुरे देश और विदेशों में प्रभु गीत गाए जा रहे,उसी दिन पंजाबी महासभा के प्रदेश अध्यक्ष, पूर्व महामंत्री गुरू द्वारा प्रबंधन कमेटी,एवम विभिन्न सामाजिक सरोकार में अग्रणी सरदार कुलदीप सिंह जी को समाज के प्रति समर्पित भाव को देखते हुए, उत्तर प्रदेश पत्रकार परिषद ने सरदार कुलदीप सिंह की निस्वार्थ समाज सेवा पर अपने हस्ताक्षर कर उन्हें पूर्वांचल रत्न से सम्मानित किया।उस दिन बनारस के एक श्री स्टार होटल में कई सामाजिक संस्थाओं के प्रमुख लोग उपस्थित थे।बनारस के प्रसिद्ध उद्योगपति दीनानाथ झूनझूनवाला (सोंगध राम की खाते हैं,,फेम), राष्ट्रीय कवि निडर जी प्रोफेसर श्रद्धानंद जी, प्रसिद्ध कवि ज्ञानपुरी, इंडियन एसोसिएशन जर्नलिस्ट के कैलाश विकास सिंह जी, शोर्य न्यूज के क्राइम रिपोर्टर संतोष अग्रहरि, पत्रकार एडवोकेट सुरेन्द्र यादव,सैयद नैयर रिम्मी कौर ने कुलदीप सिंह को बधाई दी और इसी प्रकार जनहित में सेवा करने के लिए उत्साहित किया। कार्यक्रम का सफल संचालन पत्रकार परिषद के प्रदेश अध्यक्ष राकेश मिश्रा जी ने किया।

रामकथा! प्रभु की जो मर्जी होती है, वही होता है - कथावाचक राजन जी महाराज

प्रखर वाराणसी। आजमगढ़ रोड के साई महावीर बाजार स्थित डीके उपवन में राजन जी महाराज की कथा सुनने के लिए भव्य पंडाल में भक्तों की भारी भीड़ इकट्ठा हुई। हालांकि 31 जनवरी तक चलने वाली कथा का मंगलवार पहला दिन था। और भीषण कोहरे की वजह से राजन जी महाराज की फ्लाइट काफी विलंब से बाबतपुर एयरपोर्ट आई। इस दौरान भक्त भी राजन जी महाराज का पूरी तन्यमयता से इंतजार करते रहे। राजन जी महाराज 4 बजे साय पंडाल में पहुंचे तो भक्तों ने हर हर महादेव के उद्घोष से उनका स्वागत किया। महाराज जी ने सर्वप्रथम देवी देवताओं की आरती की। और इस भीषण ठंड में पंडाल में आए हुए सभी भक्तों का अभिवादन किया। और दीप प्रज्वलित कर कथा का शुभारंभ किया। और सबसे पहले देर से आने का कारण बताया। और उसमें जोड़ा की राजी हम उसी में जिसमें तेरी रजा है। अर्थात प्रभु की जो मर्जी होती है, वही होता है। साथ ही अयोध्या में मंदिर बनने की सभी को शुभकामनाएं दी। और बताया कि हम आप भाग्यशाली हैं की 500 वर्षों बाद भव्य अयोध्या मंदिर को हम लोग देख पा रहे हैं। और उसके साक्षी बने है। भगवान ने ही योगी और मोदी की जोड़ी को बनाया है। और लिख डाला कि इन्हीं के राज्य में मुझे यह कार्य उनसे ही कराना है। जल्दी ही काशी और मथुरा में भी भगवान का नया स्वरूप बनेगा। वहां पर भी परिसर विस्तार के साथ हमारे भगवान भव्य रूप में स्थापित होंगे। कथा में प्रमुख रूप से आयोजक श्रवण कुमार मिश्रा उर्फ मिंटू,अर्चना मिश्रा, प्रेम यादव, प्रियंका यादव, अनिल मिश्रा उर्फ बबलू, सुंदरम पांडेय, अजीत यादव, अन्नू चौबे, प्रिंस, बृजेश मिश्रा, सुशील मिश्रा प्रमुख रूप से शामिल रहे।

भारत रत्न की उपाधि मिलने पर प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री के प्रति जताया आभार

प्रखर कसया, कुशीनगर। बिहार के पूर्व मुख्य मंत्री, जननायक स्व कपूर्री ठाकुर की 100 वीं जयंती अखिल भारतीय नाई महापंचायत जिला इकाई द्वारा नगरपालिक परिषद कुशीनगर अंतर्गत महन्थ अवैद्यनाथ नगर (सिसवा - महन्थ) स्थित रामलीला मैदान में मनाई गई। इस अवसर पर स्व. कपूर्री ठाकुर को भारत रत्न मिलने पर एक दूसरे को मिठाई खिलाकर खुशी व्यक्त की गई और भारत सरकार के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के प्रति आभार व्यक्त किया गया। बुधवार को जयंती कार्यक्रम में स्व0 कपूर्री ठाकुर के चित्र पर पुष्पार्चन कर उन्हें नमन किया गया। मुख्यअतिथि साहित्यकार रामनरेश शर्मा ने कहा कि महानायक बनना आसान है लेकिन जननायक बनना आसान नहीं। वह गरीब परिवार से निकले और पूरी ईमानदारी से दलितों, पिछड़ों, गरीबों को सामाजिक न्याय के लिए जीवन पर्यंत संघर्ष करते रहे। उन्हें भारत सरकार द्वारा भारत रत्न से सम्मानित किया जाना हम सभी के लिए गौरव की बात है। मुख्य वक्ता भूमि बचाओ संघर्ष समिति के अध्यक्ष गोबर्द्धन प्रसाद गोंड़ ने कहा कि जननायक कपूर्री जी का सम्मान जन जन का सम्मान है। आरक्षण में कपूर्री फामूर्ला लागू कर सबको न्याय देने का कार्य किया। ऐसे महानायक को भारत रत्न देने का सम्मान मिलना सराहनीय है। अध्यक्षता करते हुए जिलाध्यक्ष विश्वनाथ ठाकुर, पूर्व महा मन्त्री छात्र संघ बुद्ध स्नात्कोत्तर महाविद्यालय कुशीनगर अशोक कुमार सिंह, सभासद पीएन सिंह, सभासद गिरिजेश सिंह, सभासद विजेंदर प्रताप सिंह, सभासद प्रतिनिधि अमेरिकन सिंह, सभासद प्रतिनिधि अजेन्द्र सिंह, सुशील वर्मा, सपासनौवर अंसारी ने भी संबोधित किया। सभी का स्वागत कसया नगर अध्यक्ष जटाशंकर शर्मा व युवा विंग संयोजक अभिषेक शर्मा ने किया। संचालन आयोजक हृदया नन्द शर्मा ने किया। इस अवसर पर संरक्षक महियुद्दीन, प्रधान राजेश शर्मा, सुरेश शर्मा, नंदलाल शर्मा, केदार सिंह, महेश पासवान, संजय सिंह, रौनक सिंह, खालिक अंसरी, अरुण, अमित, आदर्श पाण्डेय, अजय सिंह, जयराम सिंह, इसलाम सुरेश, परमहंस सिंह, मुक्तिनाथ पाण्डेय, रामप्रीत सिंह, सुरेश गोंड़, दुर्गेश सिंह, महेश सिंह, राम अवध सिंह, सत्य प्रकाश त्यागी, वीरेंद्र यादव, नंदलाल वर्मा, सुरेश सिंह, ब्रजेश सिंह आदि मौजूद रहे।

पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय 39 जीटीसी, वाराणसी कैंट में चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन

प्रखर वाराणसी। छात्रों में परीक्षा के तनाव को कम करने के लिए परीक्षा पर चर्चा कार्यक्रम के अंतर्गत पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय 39 जी टी सी, वाराणसी कैंट. में भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय के निर्देशन में एक चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया ` जिसमें कुल 17 विद्यालयों के 100 छात्रों ने भाग लिया। इस प्रतियोगिता में मुख्य अतिथि के रूप में प्रो. धर्मेन्द्र कुमार सिंह, प्राचार्य , उदय प्रताप डिग्री कॉलेज , वाराणसी की गौरवमयी उपस्थिति से गौरव की अनुभूति हुई ` निर्णायक मण्डल में श्री दिनेश यादव, सेन्ट्रल हिन्दू गर्ल्स स्कूल , कमच्छा तथा श्री चन्दन सिंह कुशवाहा, मूर्तिकार, भारत कला भवन, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय ने प्रतियोगिता में उपस्थिति प्रतिभागियों का मूल्यांकन किया ` दृष्टी केशरी, सनबीम स्कूल वरुणा, मो. जैद, सनबीम स्कूल लहरतारा, श्रेया विश्वकर्मा, मुकुलारण्यम इंग्लिश स्कूल, हबीबा नूर, राजकीय बालिका इंटर कॉलेज, मलदहिया तथा प्रिया वर्मा, ज्ञानदीप इंग्लिश स्कूल को उत्कृष्ट स्थान प्राप्त हुआ। मुख्य अतिथि ने उत्कृष्ट स्थान प्राप्त छात्रों को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया` अन्य सभी छात्रों को प्रमाण पत्र तथा Exam Warriors पुस्तक प्रदान कर सम्मानित किया गया` विद्यालय के प्राचार्य डॉ. चन्द्र भूषण प्रकाश वर्मा ने प्रतिभागियों को उत्साहवर्धन किया तथा उनके उज्जवल भविष्य के लिये शुभकामना दी` कार्यक्रम में श्री पंकज शर्मा, श्री के. एन. तिवारी , श्री अभिषेक त्रिपाठी प्रतियोगिता में उपस्थित रहे` मुख्य अतिथि ने छात्रों से परीक्षा में तनाव न लेकर अध्ययन को अपनी शक्ति बनाकर परीक्षा में बैठने पर जोर दिया।

शीतकालीन अवकाश के बाद सूर्या ग्रुप ने छात्र-छात्राओं के साथ मनाया नए वर्ष का जश्न

प्रखर संतकबीरनगर। शीतकालीन अवकाश के बाद कल से सूर्या सीनियर सेकेंडरी स्कूल खलीलाबाद में पढ़ाई शुरू हुई विद्यालय में बच्चों के पहुंचने के बाद और विद्यालय परिवार ने छात्र छात्राओं के साथ नव वर्ष का जश्न मनाया विद्यालय के प्रबंध निदेशक डॉ उदय प्रताप चतुर्वेदी ने निदेशिका सविता चतुर्वेदी और प्रधानाचार्य रविनेश श्रीवास्तव के साथ केक काटते हुए छात्र-छात्राओं को नववर्ष की बधाई दी नववर्ष के जश्न के मौके पर छात्र छात्राओं ने जमकर के केक खाए । नववर्ष कार्यक्रम के दौरान छात्र छात्राओं ने एक दूसरे से गले मिलकर सभी को नव वर्ष की बधाई दी। आपको बता दें कि जिले के प्रतिष्ठित शैक्षणिक संस्थान सूर्या सीनियर सेकेंडरी स्कूल खलीलाबाद में शीतकालीन अवकाश के बाद कल से छात्र-छात्राएं विद्यालय में पहुंचे तो पूरा विद्यालय छात्र छात्राओं की चहचहाहट से गुलजार हो उठा विद्यालय बंद होने के कारण छात्र छात्राओं ने विद्यालय पर नववर्ष नही मनाया था जिनको लेकर आज विद्यालय परिवार ने अपने बच्चों के साथ नव वर्ष की खुशियां साझा की विद्यालय के प्रबंध निदेशक डॉ उदय प्रताप चतुर्वेदी ने निदेशिका सविता चतुर्वेदी के साथ छात्र छात्राओं को केक खिलाकर नववर्ष की बधाई दी नववर्ष बधाई कार्यक्रम के दौरान छात्र-छात्राओं के चेहरे खुशी से खिल उठे उन्होंने अपने सभी अध्यापकों को भी नववर्ष की बधाई दी। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय के प्रबंध निदेशक डॉ उदय प्रताप चतुर्वेदी ने कहा की शीतकालीन अवकाश के चलते विद्यालय बंद था जिसके चलते छात्र छात्राओं के साथ नव वर्ष को मनाने का मौका नही मिला था जिसको लेकर आज छात्र छात्राओं के साथ नववर्ष की खुशियां मनाई गई है केक काटते हुए सभी छात्र छात्राओं को नववर्ष की बधाई दी गई। कार्यक्रम के दौरान नितेश द्विवेदी, आरती चौधरी, बबिता त्रिपाठी , आशुतोष पांडे सहित अन्य स्टाफ मौजूद रहे।

जूनियर नेशनल कैरम चैंपियनशिप मदुरै के लिये यूपी की टीम घोषित

प्रखर दानगंज चोलापुर वाराणसी। तमिलनाडु के मदुरई में 10 फरवरी से 13 फरवरी के बीच होने वाली 48 वीं जूनियर नेशनल कैरम चैंपियनशिप 2023 24 के लिए उत्तर प्रदेश कैरम एसोसिएशन की टीम घोषित कर दी गई। उत्तर प्रदेश कैरम एसोसिएशन के अध्यक्ष बैजनाथ सिंह और सचिव जहीर अहमद के अनुसार घोषित में 18 वर्ष आयुवर्ग की 6 सदस्यीय बालक टीम में अखिल सिंह,कृष्ण दयाल यादव, प्रियांशु यादव, सुभान, हर्षित, केसरी और शहाबुद्दीन चयनात हुए है तो वहीं यूथ वर्ग की दो सदस्यीय 21 वर्ष आयु वर्ग में आदिल अहमद समद अख्तर चयनित हुये हैं। इसी प्रकार बालिका वर्ग की टीम में अंशिका सिंह, आचल यादव, सलोनी मिश्रा, रिश्ता केसरी, सौम्या यादव, भार्या यादव चुनी गई हैं तो यूथ वर्ग की दो सदस्यीय टीम 21 वर्ष आयु वर्ग में इन्टरनेशनल खिलाड़ी मंशा इकबाल, नेशनल खिलाड़ी ऋतंभरा चयनित हुई हैं।श्री आदित्य नारायण सिंह पब्लिक स्कूल चोलापुर के प्रधानाचार्य श्री संतोष कुमार सिंह व विद्यालय की सहायक निदेशिका दिव्या सिंह ने सभी बच्चों को बधाई दी।

संक्षिप्त खबरें

5वीं लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल हॉकी प्रतियोगिता का आगाज 26 जनवरी से

प्रखर वाराणसी। कोरौता हॉकी एकेडमी द्वारा आयोजित 5वीं लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल 7ए साइड हॉकी प्रतियोगिता का आयोजन 26 जनवरी से 29 जनवरी तक होने वाला है। जिसमे कुल 16 टीमों ने भाग लिया है जिसमे कोरौता हॉकी एकेडमी,सुरजीत हॉकी एकेडमी,एल.बी.एस. क्लब, गंगापुर हॉकी एकेडमी, यू.पी. कॉलेज, मालवीय हॉकी क्लब बी.एच.यू., अनवर हॉकी सोसायटी प्रतापगढ़,विकास इंटर कॉलेज,कैंट स्टार क्लब, सिगरा स्टेडियम,राज एकेडमी भदोही, अनन्या क्लब बी.एल.डब्ल्यू., विवेक हॉकी एकेडमी हरहुआ, अम्बुज हॉकी एकेडमी गाजीपुर, आकाशदीप हॉकी क्लब सोनभद्र, बनारस इंडिपेंडेंट क्लब शामिल है। कार्यक्रम का आयोजन संरक्षक- अजय विक्रम सिंह(खेल अधीक्षक के.आई.टी.) , अध्यक्ष- दिनेश पटेल(ग्राम प्रधान कोरौता), सचिव- भानु प्रताप मौर्य, मैनेजर- मनोज कुमार पटेल, कोच- सौरभ सिंह, हरिनन्द पटेल, कप्तान- अविनाश सिंह की देख रेख में सम्पन्न होगा।

वाराणसी कमिश्नरेट के एक दर्जन थाना प्रभारियों का हुआ तबादला

प्रखर वाराणसी। वाराणसी कमिश्नरेट के कई थाना प्रभारियो का तबादला हो गया। बतादे कि प्रवीण कुमार चौक से लोहता थाना प्रभारी , जगदीश कुशवाहा कपसेठी से रामनगर थाना प्रभारी, भरत उपाध्याय रामनगर से मंडुआडीह प्रभारी, राजीव कुमार सिंह (भूतपूर्व एसओ चौबेपुर) कोतवाली प्रभारी, आशीष मिश्र कोतवाली से बड़ागाँव एसओ, राकेश पाल जंसा से दशाश्वमेध एसओ, कानपुर से आये अतुल सिंह चोलापुर प्रभारी, परमहंस गुप्ता प्रभारी AHTU, राजीव सिंह लोहता से कपसेठी प्रभारी, राजकुमार पांडेय बड़ागाँव से SSI राजातालाब, बृजेश मिश्र रसकराजातालाब से एसओ लालपुर, मनोज कुमार लालपुर से रसक कोतवाली व बैद्यनाथ सिंह दशाश्वमेध से जंसा थाना प्रभारी बनाया गया है।

आजमगढ के 5 थाना प्रभारियों सहित 11 पुलिसकर्मियों का हुआ तबादला

प्रखर आजमगढ। पुलिस अधीक्षक अनुराग आर्य ने बुधवार की अलसुबह ही महकमे में बड़ा बदलाव किया। पांच थाना प्रभारियों समेत 11 का स्थानांतरण कर दिया। एसओ तरवा की जहां थानेदारी छीन ली गई तो वही एसओ मुबारकपुर गैर जनपद भेज दिए गए। जिले की कानून व्यवस्था को चुस्त दुरुस्त बनाए रखने को लेकर एसपी ने महकमे में बड़ा बदलाव किया है। इसके तहत पांच थाना प्रभारियों समेत 11 का स्थानांतरण कर दिया गया। मुबारकपुर थाना प्रभारी राजेश कुमार का गैर जनपद स्थानांतरण होने पर एसपी ने उन्हें कार्यमुक्त कर दिया। वहीं एसओ तरवा रामप्रसाद बिंद से थानेदारी छीन कर प्रभारी सीटीसी/मॉनिटरिंग सेल बना दिया गया। एसओ मुबारकपुर की जिम्मेदारी निहार नंदन को दी गई। रानी की सराय थाना प्रभारी शशि चंद्र चौधरी को फूलपुर, मेहनाजपुर थानाध्यक्ष प्रदीप कुमार मिश्र को रानी की सराय की कमान सौंपी गई। क्राइम ब्रांच प्रभारी सुरेश कुमार सिंह को निरीक्षक अपराध मेहनाजपुर, प्रभारी निरीक्षक रौनापार संजय कुमार पाल को प्रभारी निरीक्षक कप्तानगंज, थानाध्यक्ष कप्तानगंज विजय प्रकाश मौर्य को थानाध्यक्ष रौनापार, थानाध्यक्ष बिलरियागंज बसंत लाल को थानाध्यक्ष गंभीरपुर, थानाध्यक्ष गंभीरपुर विनय कुमार सिंह को थानाध्यक्ष बिलरियागंज बनाया गया। वरिष्ठ उप निरीक्षक थाना तहबरपुर प्रदीप कुमार को थानाध्यक्ष तरवा की जिम्मेदारी दी गई है। अलसुबह हुए इस बदलाव से महकमे में हड़कंप मच गया। एसपी अनुराग आर्य ने बताया कि अभी और बदलाव से इनकार नही किया जा सकता है।

मां अम्बे पूजा समिति अशोक स्तंभ चौक रामनगर के तत्वाधान में सुंदर काण्ड का पाठ, प्रसाद वितरण किया गया

प्रखर रामनगर वाराणसी। श्री राम मंदिर पुनर्निर्माण और श्री राम लला जी के पुनः प्राणप्रतिष्ठा के शुभ अवसर पे मां अम्बे पूजा समिति अशोक स्तंभ चौक रामनगर के तत्वाधान में सुंदर काण्ड का पाठ,प्रसाद वितरण और प्रभु श्री राम जी की भव्य आरती पूजन और दीपदान का कार्यक्रम आयोजित किया गया।जिसमे प्रमुख रूप से,राहुल देव कसेरा,यशपाल जी,सिद्धार्थ क्षत्रिय,संजय सेठ,गणेश विश्वकर्मा जी,सहित पूजा समिति के सभी कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

प्रखर पूर्वांचल

RNIUPHIN/2016/68754

मुद्रक प्रकाशक 'पंकज सिंह' के लिए सम्पादक 'अरूण सिंह' द्वारा 'गायत्री प्रिंटिंग प्रेस' सकलेनाबाद नियर दुर्गा चौक, गाजीपुर पिन कोडः 233001 से छपवाकर कनेरी गाजीपुर से प्रकाशित

सम्पादकीय कार्यालयः 9/10, टैगोर मार्केट, कचहरी, गाजीपुर पिन कोडः 233001

सम्पर्क सूत्रः 0548-2223833, +91-8858563779 +91-9450208067, +91-9452844802

सभी विवाद गाजीपुर न्यायालय के अधीन होगें।

ताजा खबर पढ़ने के लिए लॉगइन करें हमारी वेबसाइट https://prakharpurvanchal.com Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

सांध्य दैनिक प्रखर पूर्वांचल अखबार के सभी पद अवैतनिक हैं